31 मार्च 2025
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बिहार में चुनाव है, इसलिए अमित शाह और पीएम मोदी को सिर्फ बिहार प्रेम दिखेगा 2

कांग्रेस की तरह मन में बेईमानी हो तो बड़े से बड़े खजाने भी खाली हो जाते हैं: पीएम मोदी

- छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन
- बोले- जन-जन तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए वह तेजी से अग्रसर हैं

एजेंसी/बिलासपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर में जनसभा को संबोधित किया। लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि विकास के लिए बजट के साथ-साथ एक नियत भी जरूरी है। अगर कांग्रेस की तरह मन और मस्तिष्क में बेईमानी भरी हो तो बड़े से बड़े खजाने भी खाली हो जाते हैं। यही स्थिति हमने कांग्रेस के शासन के दौरान देखी है। इस कारण आदिवासियों तक विकास नहीं पहुंच पाया। अपने संबोधन में पीएम ने विकास कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि जन-जन तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए वह तेजी से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन लाख गरीब परिवार अपने नए घर में प्रवेश कर रहे हैं। यहां उन्हें लाभार्थियों से मिलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि नया घर मिलने के बाद गरीब परिवार अपनी खुशी नहीं रोक पा रहे थे। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज पहला नवरात्रि है और छत्तीसगढ़ तो माता महामाया की धरती है। यह माता कौशल्या का मायका भी है। ऐसे में मातृशक्ति को समर्पित ये नौ दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत विशेष रहते हैं और मेरा सौभाग्य है कि नवरात्रि के पहले दिन ही मैं यहां पहुंचा हूं।

आदिवासी समाज के विकास के लिए चला रहे अभियान

पीएम मोदी ने कहा कि हम आदिवासी समाज के विकास के लिए भी विशेष अभियान चला रहे हैं। हमने आपके लिए धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान शुरू किया है। आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी जनजातियां होती हैं। पहली बार हमारी सरकार ने ऐसे अति पिछड़े आदिवासियों के लिए पीएम जनमन योजना बनाई है। अब छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी बदल रही है और तकदीर भी बदल रही है। छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां शत प्रतिशत रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा है। पीएम मोदी ने कहा कि थोड़ी देर पहले 33,700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें गरीबों के घर, स्कूल, रोड, रेल, बिजली, गैस की पाइपलाइन ये सारे प्रोजेक्ट्स छत्तीसगढ़ के लोगों को सुविधाएं देने वाली हैं। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। ये वर्ष छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष है और संयोग से यह साल अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। छत्तीसगढ़ सरकार 2025 को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रही है। हमारा संकल्प है- हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे।

कांग्रेस सरकार ने जमकर भ्रष्टाचार किया है : पीएम ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने जमकर भ्रष्टाचार किया है। विकास के लिए बजट के साथ-साथ एक नियत भी जरूरी है। अगर कांग्रेस की तरह मन और मस्तिष्क में बेईमानी भरी हो तो बड़े से बड़े खजाने भी खाली हो जाते हैं। यही स्थिति हमने कांग्रेस के शासन के दौरान देखी है। इस कारण आदिवासियों तक विकास नहीं पहुंच पाया। उन्होंने हा कि कांग्रेस को कभी आपकी चिंता नहीं हुई।

मन की बात... पीएम ने टेक्सटाइल वेस्ट पर जताई चिंता

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के जरिए देशवासियों से संवाद किया। मन की बातके 120वें एपिसोड में पीएम नरेंद्र मोदी ने टेक्सटाइल वेस्ट का जिक्र किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं, एक ऐसी चुनौती के बारे में बात करना चाहता हूं, जो सीधे हम सब से जुड़ी हुई है। ये चुनौती है टेक्सटाइल वेस्ट की। आप सोच रहे होंगे, ये टेक्सटाइल वेस्ट क्या नई बला आ खड़ी हुई है? दरअसल टेक्सटाइल वेस्ट पूरी दुनिया के लिए एक नई चिंता की एक बड़ी वजह बन गया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि आजकल दुनिया-भर में पुराने कपड़ों को जल्द से जल्द हटाकर नए कपड़े लेने का चलन बढ़ रहा है। क्या आपने सोचा है कि जो पुराने कपड़े आप पहनना छोड़ देते हैं, उनका क्या होता है? यही टेक्सटाइल वेस्ट बन जाता है। इस विषय में बहुत सारी ग्लोबल रिसर्च हो रही हैं। एक रिसर्च में यह सामने आया है, सिर्फ एक प्रतिशत से भी कम टेक्सटाइल वेस्ट को नए कपड़ों में रि-साइकिल किया जाता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहां सबसे ज्यादा टेक्सटाइल वेस्ट निकलता है। यानि चुनौती हमारे सामने भी बहुत बड़ी है। लेकिन खुशी है कि हमारे देश में इस चुनौती से निपटने के लिए कई सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। कई भारतीय स्टार्ट-अप्स ने टेक्सटाइल रिकवरी फैसिलिटीज पर काम शुरू किया है। कई ऐसी टीमें हैं, जो कचरा बीनने वाले हमारे भाई बहनों के सशक्तिकरण के लिए भी काम कर रही हैं। कई युवा साथी सस्टेनेबल फैशन के प्रयासों में जुड़े हैं। वे पुराने कपड़ों और जूत-चप्पलों को रि-साइकिल कर जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं।

खबरें फटाफट

चांद नजर आया, आज देश भर में मनेगा ईद का पर्व

नई दिल्ली। रविवार को ईद का चांद देखा गया। इसके बाद मौलाना ने ऐलान किया कि सोमवार (31 मार्च) को पूरे देश में ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि 30 मार्च को ईद कां चांद नजर आया है। ऐसे में 31 मार्च को पूरे देश में ईद का त्योहार मनाया जाएगा। दिल्ली की जामा मस्जिद में सुबह 6.45 पर होगी नमाज पढ़ी जाएगी। वहीं, लखनऊ में सुबह 10 बजे ईदगाह पर नमाज पढ़ी जाएगी। ईद से पहले बाजारों में काफी चहल-पहल देखी जा रही है। रोजेदारों ने इफ्तार के बाद चांद का दीदार किया और फिर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। कई दिनों से लोग ईद के चांद का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही चांद नजर आया, खुशी का माहौल बन गया। लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद देने लगे। ईद का चांद नजर आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। लोग मिठाइयां और नए कपड़ों की खरीदारी में जुट गए हैं। बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, वहीं घरों में सेवइयों और पकवानों की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गोपालगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए किया वादा

बिहार को कराएंगे बाढ़ से मुक्त, सभी बंद पड़ी चीनी मिलें फिर से होंगी चालू

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। इसके तहत वे रविवार की दोपहर गोपालगंज पहुंचे, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों को हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि, चाहे देश की स्वतंत्रता का आंदोलन हो या जयप्रकाश नारायण का आंदोलन हो, हमेशा इस भूमि ने देश को रास्ता दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा, बिहार को तय करना है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की ओर जाना है या मोदी-नीतीश के विकास की राह पर जाना है। बिहार की जनता ने पीएम मोदी की झोली को कमल के फूल से भरने का काम किया है।

गृहमंत्री शाह ने आगे कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, जो काम कांग्रेस 65 सालों में नहीं कर पाई, वो मोदी सरकार ने 10 साल में किया है। एनडीए की पांच साल और सरकार बनाइए। अगर फिर से हमारी सरकार बनती है तो हम बिहार को बाढ़ से मुक्त करा देंगे। उन्होंने यह भी वादा किया कि बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से चालू किया जाएगा, जिससे किसानों और मजदूरों को रोजगार मिल सके।

लालू यादव ने केवल अपने परिवार को सेट किया

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, हमने एक करोड़ 60 लाख घरों में जल पहुंचाया। डेढ़ करोड़ टॉयलेट बनाए। 9 करोड़ लोगों को हर महीने 5 किलो राशन दिया। 40 लाख घर बनाए। वहीं लालू राज ने क्या दिया- अपहरण, फिरौती, हत्या. इतने घोटाले किए, इन्हें शर्म नहीं आती। अलकतरा घोटाला, मिट्टी घोटाला। गौ माता का चारा भू लालू यादव ने खाया। लालू यादव ने बस एक ही काम किया, अपने परिवार को सेट करने का। उनके दोनों बेटे सीएम बनना चाहते हैं। बेटी को सांसद बनाया। पत्नी पूर्व सीएम हैं। दोनों साले भी मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने युवाओं को सेट करने का कोई काम नहीं किया। ये काम मोदी सरकार ने किया।

15 साल का हिसाब मांगा : गृह मंत्री ने लालू यादव से 15 साल के शासन का हिसाब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी ने बिहार को जंगल राज में बदल दिया था, जहां अपहरण, हत्या और लूट जैसे अपराध चरम पर थे। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू यादव ने केंद्र में मंत्री रहते हुए भी बिहार के विकास के लिए कुछ नहीं किया। अमित शाह ने जनता से कहा कि गोपालगंज में कहकर जाता हूं एक बार और पांच साल एनडीए की सरकार बनाएं। हम बिहार को बाढ़ से मुक्त करने का काम करेंगे। साल के अंत में होने वाले चुनाव में कमल के निशान पर बटन दबाकर एनडीए की सरकार बनाएं।

चारा घोटाले और लैंड फॉर जॉब का जिक्र अपने भाषण में शाह ने चारा घोटाले और लैंड फॉर जॉब घोटाले का भी उल्लेख किया और कहा कि लालू यादव के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर था। उन्होंने जनता को आगाह किया कि बिहार को फिर से उसी जंगल राज में नहीं जाने देना है, बल्कि मोदी जी के नेतृत्व में विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना है।

800 करोड़ रु की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

पटना। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पटना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की 800 करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय भी रहे। अपने संबोधन में शाह ने किसानों से लेकर गांवों के विकास और महिलाओं की तरक्की तक के मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। शाह ने कहा कि आज यहां सहकारिता क्षेत्र और अन्य विभागों की कई योजनाओ का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। कहा कि बिहार, भूमि, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर राज्य है और आने वाले समय में इस राज्य को सहकारिता क्षेत्र का सबसे अधिक फायदा होगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को मजबूत करने के लिए कई काम किए हैं। राज्य में मखाना केन्द्र बनाया है और अब मक्का संशोधन केन्द्र को 1 हजार करोड़ की लागत से पुनर्जीवित कर मक्का उगाने वाले किसानों के लिए कई योजनाएं भी हम लाने वाले हैं।

बेंगलुरु-कामाख्या ट्रेन के 11 डिब्बे पटरी से उतरे, 1 की मौत

कटक के निकट नेरगुंडी स्टेशन के पास हादसा

एजेंसी/कटक

ओडिशा में कटक के निकट नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में 1 व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं, आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों में दो यात्री असम से हैं। घटना 30 मार्च को दिन में करीब 12 बजे हुई।

ईस्ट कोस्ट रेलवे के जनरल मैनेजर और अन्य उच्चस्तरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। मेडिकल और बचाव टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। बोगियों के पटरी से उतरने के तुरंत बाद सभी यात्रियों को अपने सामान के साथ ट्रेन से उतरते देखा गया। कटक जिले के डीएम दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा, इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। आठ लोग घायल हैं जिन्हें रेफर करने की जरूरत थी, उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

सहायता के लिए जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर

- भुवनेश्वर- 7205149591, 8114382371, 8455885999
- कटक- 8991124238
- खुर्दा रोड- 6742492245
- भद्रक- 9437443469
- जाजपुर क्योंझर रोड 9124639558

अधिकारियों ने ये कहा है कि वो यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं, जिसके बाद वो मरम्मत का काम शुरू करेंगे। इस घटना के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में भी दिक्कतें आई हैं। धौली एक्सप्रेस, नीलांचल एक्सप्रेस और पुरुलिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रूट में बदलाव किए जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से छह की मौत

एजेंसी/कुल्लू

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। मणिकर्ण में गुरुद्वारा के पास बड़ा भूस्खलन हो गया। इस घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। राहत और बचाव कार्य जारी है। अधिकारी मलबा हटा रहे हैं और जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने का संदेह है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से तेज रफ्तार में सरकता मलबा नीचे आ गिरा और एक पेड़ से टकरा गया। झटके के साथ पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर पड़ा, जिसके नीचे कई लोग बैठे हुए थे। इस हादसे में एक रेहड़ी संचालक सहित छह लोगों की जान चली गई। इनमें से दो लोग एक सूमो कार में सवार थे, जबकि तीन अन्य पर्यटक थे जो मौके पर ही दब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुल्लू के एडीएम अश्वनी कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और पहाड़ी क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

बाउंसरों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा, यात्रा छोड़ दिल्ली लौटे कन्हैया

केटी न्यूज/पटना

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की पलायान रोको, रोजगार दो पदयात्रा अररिया में नये विवाद में फंस गया। अररिया में पदयात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं को कन्हैया कुमार के साथ चल रहे बाउंसरों ने पीटा। हंगामा और विवाद के बीच कन्हैया कुमार की यात्रा को स्थगित कर दिया गया है और वो दिल्ली लौट गये है। दरअसल, कन्हैया कुमार की पदयात्रा अररिया कॉलेज से शुरू हुई और करीब एक किलोमीटर आगे बस स्टेंड के समीप पहुंची थी कि यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के साथ उनके कुछ समर्थक कन्हैया के पास जाने और उन्हे माला पहनाने के साथ सेल्फी लेने की कोशिश करने लगे। कन्हैया के साथ चल रहे बाउंसरों ने देखा कि अचानक कन्हैया के पास भीड़ आ गई, बाउंसरों ने उन्हे रोकने की कोशिश की तो धक्का मुक्की शुरू हो गई और बाउंसरों ने कार्यकताओं को धक्का दे दिया। कार्यकताओं ने बाउंसरों पर मारपीट करने का आरोप लगाया। कन्हैया ये सब देखकर नाराज हो गये और यात्रा को बीच में छोड़कर दिल्ली चले गये।

नागपुर में आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में बोले सरसंघचालक

सामर्थ्य के हिसाब से समाज में योगदान देना जरूरी: भागवत

एजेंसी/नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि सामर्थ्य के हिसाब से समाज में योगदान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवा का काम दया भाव से नहीं प्रेम भाव से करना चाहिए। स्वयंसेवक अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए काम करते हैं। वह महाराष्ट्र के नागपुर में आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी।

मोहन भागवत ने कहा कि संघ विचार की प्रेरणा है और उसकी प्रेरणा स्वार्थ्य की प्रेरणा नहीं है। स्वयं सेवक अपने लिए नहीं दूसरों के लिए काम करते हैं. ये समाज मेरा है। समाज के लिए तन-मन-धन से काम करना है। जीवन में सेवा और परोपकार करने चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि समाज के लिए स्वयंसेवकों के डेढ़ लाख से ज्यादा काम चलते हैं। यही प्रेरणा है, जिससे स्वयंसवेकों को कष्ट सहने की प्रेरणा मिलती है। बदले में वो कुछ नहीं चाहते। सेवा ही जीवन का ध्येय है। सेवा के कार्य दयाभाव से नहीं चलते हैं। समाज के प्रति प्रेम, दूसरे समाज में सबको दृष्टि देनी है। आरएसएस चीफ ने कहा कि एकांत में आत्मसाधना और लोकांत में परोपकार, जैसा जीवन सूत्र हमारे परंपरा में है। संघ के संदर्भ में- स्वयंसेवक एक घंटा संघ की शाखा में स्वयं के विकास के लिए देता है और फिर बचे हुए 23 घंटे समाज की भलाई के लिए उसका उपयोग करता है। भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। नागपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं।

कटिहार दौरे पर पहुंचे जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कसा तंज, बोले...

बिहार में चुनाव है, इसलिए अमित शाह और पीएम मोदी को सिर्फ बिहार प्रेम ही दिखेगा

♦ पीके ने किया वादा- जनसुराज किसी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगा, पार्टी विधानसभा में 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

केटी न्यूज/पटना

राजनीतिक रणनीतिकार और जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी जनसुराज उद्घोष यात्रा के तहत एक दिवसीय दौरे पर रविवार को कटिहार पहुंचे। कटिहार में सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव हैं, इसलिए नवंबर तक अमित शाह और पीएम मोदी का सिर्फ बिहार प्रेम ही दिखेगा। चुनाव तक हर केंद्रीय योजना का शिलान्यास बिहार से होगा, किसान सम्मान निधि का पैसा भी बिहार से भेजा जाएगा, लेकिन मोदीजी का ये प्रेम सिर्फ चुनाव तक ही दिखेगा। साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि जनसुराज किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जनसुराज इस बार विधानसभा में 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसमें से दो तिहाई लोग ऐसे होंगे जो पहली बार चुनाव लड़ेंगें।

प्रशांत किशोर ने कटिहार जिला के मनिहारी रेलवे ग्राउंड में जनसभा को भी संबोधित किया।

नीतीश-लालू को हटाइए और जनता की सरकार बनाइए...

प्रशांत किशोर ने अपने भाषण में कहा, लालू जी अपने नौवीं पास बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, लेकिन बिहार का पढ़ा-लिखा युवा भी नौकरी के लिए भटक रहा है। हम ऐसा बिहार बनाएंगे जहां छठ के बाद लौटने वाले मजदूरों को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश-लालू को हटाइए और जनता की सरकार बनाइए।

सरकारी स्कूलों में सुधार का वादा: प्रशांत किशोर ने कहा, जब तक सरकारी स्कूलों की स्थिति नहीं सुधरती, मैं खुद प्राइवेट स्कूल की फीस भरूंगा। शिक्षा के बिना बिहार का विकास संभव नहीं है। उन्होंने मुफ्त अनाज की नीति की आलोचना करते हुए कहा कि हम 5 किलो अनाज नहीं देंगे, बल्कि रोजगार देंगे ताकि हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि वे एनडीए और राजद के विकल्प के रूप में जनसुराज को समर्थन दें। उन्होंने जनता के राज की बात करते हुए कहा कि यह अभियान बिहार को बाढ़, पलायन और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से मुक्त करने की दिशा में काम करेगा।

इस दौरान उन्होंने बिहार में रोजगार, शिक्षा और पलायन जैसे मुद्दों को लेकर बड़ा सवाल किया। उन्होंने जनता को एनडीए और राजद की राजनीति से अलग जनता के राज यानी जनसुराज का विकल्प दिया। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के नाम पर भ्रष्ट अधिकारियों के पास पैसा जा रहा है। शराब माफिया और नेताओं के पास जा रहा है।

ये लोग झूठ बोलने आये हैं, झूठ बोलेंगे, ठगने का प्रयास करेंगे: तेजस्वी यादव

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर जवाबी फायर करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि जब चुनाव आता है तब लोग बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद वह जुमला हो जाता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर वह कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को पैसा दिया है तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उन्होंने कहां-कहां और किस-किस मद में किस सेक्टर को कितना रुपया दिया। उनको लोगों को विवरणी बतानी चाहिए। चुनाव आता है तब ये लोग घोषणाएं करते हैं, लेकिन पिछले 20 सालों में इनलोगों ने क्या किया उसकी गिनती इन्होने नहीं बताई। लालू जी को गाली देना तो लोगों का फैशन है। उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। ये लोग झूठ बोलने आये हैं, झूठ बोलेंगे, ठगने का प्रयास करेंगे, जुमलेबाजी करेंगे फिर इनका काम वापस हो जायेगा। फिर जहां चुनाव होगा वहां वापस चले जाएंगे।

फर्जी एमवीआई बन कर रहे थे उगाही, गिरफ्तार

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक फर्जी मोटर वाहन निरीक्षक को उसके चालक समेत गिरफ्तार किया है। दरभंगा मोड़ के पास हाईवे पर गाड़ियों से अवैध वसूली की जा रही थी, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। मौके से फर्जी टश्क बोर्ड लगी एक गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। काफी समय से हाइवे पर गाड़ियों से अवैध उगाही की शिकायतें मिल रही थीं। वाहन चालकों का कहना था कि परिवहन विभाग के नाम पर कुछ लोग फर्जी तरीके से पैसे वसूल रहे हैं। इसी सिलसिले में कांटी थाना पुलिस ने छानबीन शुरू की और आखिरकार शनिवार देर रात इस गिरोह का पदार्फाश कर दिया। जानकारी के मुताबिक, शनिवार रात करीब तीन बजे कांटी थाना प्रभारी रामनाथ प्रसाद को सूचना मिली कि दरभंगा मोड़ के पास एक गाड़ी रोककर अवैध रूप से वसूली की जा रही है। इसके बाद पुलिस ने तत्काल एक टीम मौके पर भेजी। जैसे ही पुलिस वहां पहुंची, उन्होंने देखा कि एक पिकअप वाहन को रोका गया था और दो लोग उसके कागजात की जांच कर रहे थे। उनमें से एक व्यक्ति खुद को एमवीआई बता रहा था, लेकिन उसके साथ कोई पुलिसकर्मी नहीं था।

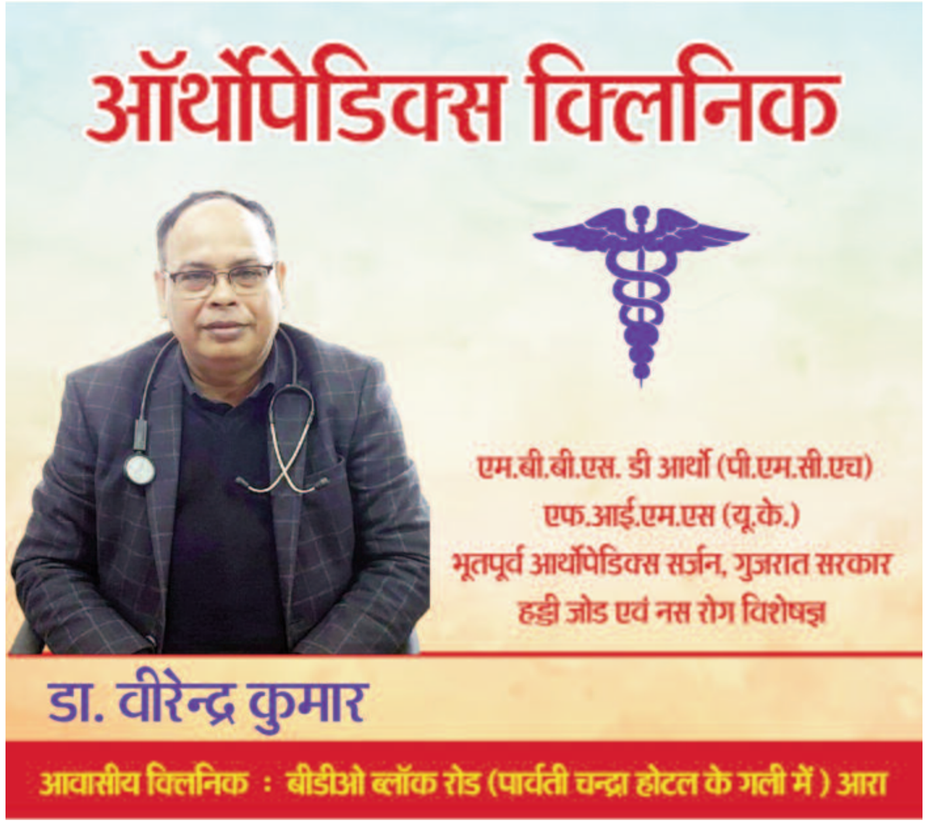

मुंगेर में आरोपी की गिरफ्तारी के विरोध में हंगामा, पुलिस टीम पर पथराव, चार घायल

केटी न्यूज/मुंगेर

मुंगेर में पुलिस टीम पर एक बार फिर हमले का मामला सामने आया है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के सोतीपुल पड़िया में शनिवार की रात यह घटना हुई। पुलिस ने आर्म्स एक्ट सहित कई मामले में अभियुक्त देवराज कुमार उर्फ देबू को उसके घर से गिरफ्तार किया।इसकी खबर लगते ही आसपास के लोग भड़क गए और सड़क जाम कर दिया। इस दौरान उन्हें शांत कराने गई पुलिस टीम पर लोगों पथराव किया। इशके बाद आज पुलिस ने पथराव करने वाले 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के विरोध में

परिजनों और ग्रामीण ने शनिवार देर शाम एनएच-333 को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर बरियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान परिजनों ने एक आरोपी देवराज को छोड़ने की मांग की। तभी अचानक भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। हमले में 4 पुलिसकर्मी घायलहमले में महिला पुलिसकर्मी केसरी कुमारी, कंचन कुमारी सहित दो अन्य पुलिसकर्मी विनोद कुमार और नमोद कुमार घायल हो गए। कंचन कुमारी के सिर में चोट आई है। केसरी कुमारी को दांत से काटा गया है। विनोद और नमोद को भी शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। इधर भीड़ के पथराव करने से घटना के दौरान सड़क से गुजरने वाले लगभग आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पथराव की वजह से चालक अपनी वाहन छोड़ जान बचाकर मौके से भाग निकले।

सदर डीएसपी अभिषेक आनंद के अनुसार, पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए 5 महिलाओं सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सीएम के स्वास्थ्य को जनता से छुपा रही जदयू और भाजपा: सांसद

कोआथ। बक्सर लोकसभा क्षेत्र से राजद के सांसद सुधाकर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने नीतीश कुमार को मानसिक व शारीरिक रूप से बीमार बताते हुए कहा जदयू एवं भाजपा मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य को आम जनता से छुपा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार की 13 करोड़ जनता के लिए फैसला नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन अब धीरे-धीरे सब कुछ उजागर हो रहा है और आने वाले चुनाव में बिहार की जनता उन्हें उखाड़कर फेंक देगी। बक्सर सांसद सुधाकर सिंह रोहतास के कोआथ नगर पंचायत स्थित मदरसा इसीदिया में आयोजित एक इफ्तार पार्टी में शामिल होने आये थे।

अस्पताल के कर्मचारी ही नवजात को बेचने का कर रहे थे खेल, गिरफ्तार

केटी न्यूज/वैशाली

वैशाली में नवजात चोरी के मामले में पुलिस ने नवजात के पिता सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन छह आरोपियों में पिता के साथ-साथ अस्पताल के कर्मचारी भी शामिल हैं। घटना नगर थाना क्षेत्र के जोहरी बाजार स्थित न्यू बुद्ध पॉपुलर इमरजेंसी हॉस्पिटल की है। बरामद बच्चे को थाने पर लाकर पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। नवजात के पिता महुआ थाना के कन्हौली मानपुरा निवासी नवल किशोर राय के पुत्र राजेश कुमार, लालगंज थाना के मलंग चौक दिलावलपुर निवासी अरुण कुमार, गोरौल थाना क्षेत्र के सदोपुर निवासी कमल चौधरी के पुत्र रमेश कुमार, पिरापुर निवासी योगेंद्र सिंह के पुत्र जयप्रकाश कुमार, सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के टरवा मंगरलपाल निवासी जयंत सिंह के पुत्र जितेंद्र कुमार एवं नगर थाना क्षेत्र निवासी पारसनाथ सिंह के पुत्र अविनाश कुमार बताया गया।इस मामले में पुलिस का कहना है कि नवजात के पिता ने अपने बच्चों को 50 हजार रुपए में गोरौल निवासी रमेश कुमार से बेच दिया था। रमेश कुमार को एक बेटी थी वह एक बच्चा खरीदना चाहता था। जबकि राजेश कुमार को 4 बच्चा पहले से था। वह अपने नवजात को बेच दिया। इस मामले में बच्चे की मां ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

हिंदू नववर्ष को पूरे उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाएं: विश्व हिंदू परिषद

केटी न्यूज/दरभंगा

दरभंगा में हिंदू नववर्ष के स्वागत में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने भव्य शोभायात्रा निकाली। सैकड़ों कार्यकर्ता भगवा झंडा थामे बाइक पर सवार होकर निकले और जय श्रीराम तथा सनातन धर्म की जय के नारों से माहौल गुंजायमान कर दिया। पूरे शहर में उत्साह और आस्था का दृश्य देखने को मिला। जानकारी के अनुसार, शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरने वाली इस शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखा। विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को संभाला और शोभायात्रा को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए तैनात रही। शोभायात्रा की शुरूआत दरभंगा के कपूरी चौक से हुई और शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई एक विशाल जनसभा में बदल गई।

विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री राजीव प्रकाश मधुकर ने कहा कि हिंदू नववर्ष को सही रूप में मनाने का उद्देश्य लोगों को सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि यह नवसंवत्सर हिंदू धर्म की पहचान है, लेकिन कुछ तत्वों द्वारा इसे अप्रैल फूल के रूप में प्रचारित किया गया था, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने सभी सनातनियों से अपील की कि वे अपने घरों में भगवा ध्वज लगाएं और हिंदू नववर्ष को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाएं।

छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को भारी परेशानी का करना पड़ रहा है सामना

टीएमबीयू में 15 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया, कंपनी ने की आपूर्ति बाधित

केटी न्यूज/पटना

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) में अँधेरा कायम हो गया है। बिजली विभाग ने टीएमबीयू की बिजली आपूर्ति पर रोक लगा दी है। बिजली विभाग ने विश्वविद्यालय प्रशासन को 15 करोड़ 10 लाख रुपये का बकाया बिल होने के बाद यह कार्रवाई की है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, सभी विभागों और शाखाओं की बिजली कट जाने से छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग का कहना है कि टीएमबीयू ने पिछले कई वर्षों से बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है। इस संबंध में

टीएमबीयू के कुलपति प्रोफेसर जवाहरलाल का कहना है कि बिजली विभाग का पावर सब-स्टेशन नाथनगर में विश्वविद्यालय की जमीन पर स्थित है। कुलपति का आरोप है कि विभाग को पहले इस जमीन का 30 वर्षों का किराया चुकाना चाहिए, इसके बाद ही बिजली बिल का भुगतान किया जाएगा। कुलपति ने बिजली विभाग पर रंगदारी का आरोप लगाते हुए कहा कि परीक्षाओं, गर्मी के मौसम और आगामी महामहिम के कार्यक्रम के समय बिजली काटी गई है। टीएमबीयू के कर्मियों का कहना है कि यह लगातार हो रहा है। परंतु इस पर रोक नहीं लग रही है। विश्वविद्यालय में अंधेरा छाया हुआ है। बिजली विभाग ने आपूर्ति पर रोक लगा दी है।

डेढ़ साल में तीसरी बार कटा बिजली कनेक्शन

डेढ़ साल में यह तीसरी बार है जब बिजली विभाग ने विश्वविद्यालय की बिजली आपूर्ति ठप कर दी है। बिजली कटौती के कारण विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और विभागों में छात्रों की उपस्थिति काफी कम हो गई है। पानी की किल्लत और भीषण गर्मी से विद्यार्थियों को अतिरिक्त मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है और जल्द ही इस पर सुनवाई होनी है। इसके बावजूद विभाग द्वारा बिजली काटे जाने से छात्रों में आक्रोश देखा जा रहा है। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई विभागीय आदेशों के तहत की गई है।

नववर्ष के अवसर पर आरएसएस ने नगर में निकाली पथ संचलन यात्रा

♦ राजगढ़ से यह यात्रा शुरू होकर नगर के विभिन्न पथों से गुजरती हुई राज हाईस्कूल खेल मैदान तक गई

केटी न्यूज/डुमरांव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डुमरांव के द्वारा नव वर्ष प्रतिपदा 2082 के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवकों का पथ संचलन यात्रा भव्य रूप से नगर में निकाला गया। इस यात्रा को देखने के लिये महिलाएं और युवतियां जहां अपने-अपने घरों पर खड़ी थी, वहीं पुरूष और बाजार करने को आयी महिलाएं सड़क के दोनों तरफ खड़ी हो देखती रही। पथ संचलन यात्रा राजगढ़ चौक से होते हुए चौक रोड, शहीद गेट, गोला रोड, स्टेशन रोड होते हुए राज हाईस्कूल खेल मैदान तक गया, जहां समापन हुआ। इसका संचालन कन्हैया दूबे कर रहे थे, वहीं विभाग बौद्धिक प्रमुख सह अतिथि के रूप में मौजूद डुमरांव नगर की अध्यक्ष सुनीता गुप्ता उपस्थित रहीं। इस मौके पर उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने नव वर्ष की महता को बताया। जिससे जीवन में उतारने के बारे में बताया गया। वहीं महिलाओं को ओम ज्योति भगत ने जानकारी दी। इसमें अधिक से अधिक महिलाओं को जुड़ने का आग्रह किया गया। यात्रा में सुनील सिद्धार्थ के साथ स्वयंसेवकों में रमेश केसरी, भरत श्रीवास्तव, राजीव भगत, अमित कुमार, संजय केसरी, कन्हैया, रघुवर, सहित अन्य लोग मौजूद थे। इस यात्रा में सैकड़ो स्वयं सेवकों ने परंपरा के अनुसार भाग लिया और नये हिन्दी साल का संदेश दिया।

एक नजर

वासंतिक नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, भक्तिमय बना रहा माहौल

डुमरांव। चैत्र (वासंतिक) नवरात्र रविवार से शुरू हो गया हैं। पहले ही दिन शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और दर्शन पूजन करने वालों की लंबी कतारें लगी रही। श्रद्धालुओं ने मां का दर्शन-पूजन कर लोक मंगल की कामना की। इस दौरान माता रानी के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। वहीं, घरों में लोगों ने परंपरागत ढंग से पूजा कर नवरात्र का उपवास शुरू किया। नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालु अहले सुबह उठे और स्नान ध्यान के बाद तय मुहूर्त पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर नवरात्र व्रत का संकल्प लिया। विधि-विधान के साथ देवी मंदिरों में कलश स्थापना की प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान मंदिरों के आसपास मेला जैसा माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने प्रथम दिन देवी के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री देवी की पूजा-अर्चना के साथ घरों में भी कलश की स्थापना की। जयकारों के साथ माता के मंदिरों में भक्तों की भीड़ लग गई। मां के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे। सुबह होते ही भक्त मंदिर में पहुंचे पूजा-अर्चना में जुट गए। व्रत रखने वालों ने व्रत रखा और बाजार में पूजन सामानों की खरीदारी की। व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं में महिलाओं की संख्या ज्यादा रही। चैत्र नवरात्र के पहले दिन सभी देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। शहर के मां डुमरेजनी मंदिर, मां काली मंदिर, रेलवे स्टेशन स्थित मां दुर्गा मंदिर, मां भगवती मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं के जयघोष से भक्तिमय वातावरण का माहौल रहा। आस्था के साथ तमाम श्रद्धालुओं ने नौ दिन के उपवास भी शुरू किए हैं।

बाजार की बढ़ी रौनक, दुगने हुए फल के मूल्य : वासंतिक नवरात्र के शुरू होते ही बाजार की रौनक भी बढ़ गई है। बाजार में फल, नारियल, चुनरी, मेवा, मिश्री, दूध, दही आदि की डिमांड बढ़ गई है। लिहाजा मूल्य भी बढ़ा है। पिछले दो दिनों में ही फलों के दाम दुगने हो गए है। अंगूर जहां शुक्रवार तक 50 रुपए किलो बिक रहा था, वहीं, रविवार को बाजार में अंगूर 100 रूपए किलो बिका। इसी तरह से सेब, नारियल, अनार, केला आदि के भाव भी दुगने हो गए है। बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई है। वासंतिक नवरात्र के पहले दिन ही श्रद्धालुओं ने बड़े पैमाने पर फल व मेवा की खरीददारी की है। बता दें कि कई श्रद्धालु पूरे नौ दिन का अनुष्ठान करते है। उनके प्रसाद में फल व मेवा का भोग लगता है। जिसका फायदा उठा फल विक्रेता भी भाव बढ़ा देते है।

नया भोजपुर ओपी में हुई शांति समिति की बैठक

डुमरांव। नया भोजपुर थाने में ईद, चैती छठ, रामनवमी और अंबेडकर जयंती के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व-त्योहारों को शांति पूर्ण ढंग से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने किया। इस दौरान डुमरांव सीओ शमन प्रकाश और सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक में अधिकारियों ने लोगों से यह अपील किया कि पर्वों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाए। डुमरांव सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनाथ कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि इस मौके पर कही भी उपद्रव करने वालो की पहचान की जाए। किसी भी समुदाय की धार्मिक भावना आहत न हो। एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि नमाजियों के लिए मस्जिद आने-जाने वाले रास्तों की सुविधाओं का खासा ख्याल रखा जाए।

खबरें फटाफट

राजपुर में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक ठप रहेगी विद्युत आपूर्ति

राजपुर। प्रखंड क्षेत्र के सभी गांवों में एक अप्रैल से 25 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्युत कनीय अभियंता रौशन कुमार ने बताया कि आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विभाग के निर्देशानुसार बिजली की आपूर्ति बंद की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र में गेहूं, चना एवं अन्य फसलें पककर पूरी तरह से तैयार हो चुकी हैं और कटाई का कार्य जारी है। ऐसे में तेज हवा चलने से कहीं भी तार टूटने की संभावना बनी रहती है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। इसे देखते हुए सुबह 11 बजे से शाम शाम बजे तक बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। विदित हो कि पिछले वर्ष बिजली के तार टूटने से कई जगह भीषण आग लग गई थी, जिससे सैकड़ों बीघा फसल जलकर राख हो गई थी। इस बार भी मार्च माह में तापमान अधिक होने के साथ ही तेज हवा चल रही है, जिससे शॉर्ट सर्किट की आशंका बनी रहती है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया है।

वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने जब्त की शराब की खेप

फर्नीचर की आड़ में तस्करी का भंडाफोड़, 10 लाख की शराब जब्त, एक गिरफ्तार

♦ कंटेनर में 99 पेटी शराब में कुल 1188 बोतल शराब के अलावे एक पेटी बीयर भी बरामद की गई

केटी न्यूज/बक्सर

पुलिस के लाख प्रयास के बावजूद शराब तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को उत्पाद विभाग की टीम ने वीर कुंवर सिंह चेक पोस्ट पर शराब लदी एक कंटेनर को जब्त किया है। उक्त कंटेनर पर फर्नीचर की आड़ में 10 लाख रूपए मूल्य की शराब व बियर की पेटिया छिपाई गई थी। जिसे जब्त करने के साथ ही उत्पाद विभाग की टीम ने कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभारी उत्पाद अधीक्षक आलोक राज ने इस संबंध में बताया कि सुबह 8 बजे वीर कुंवर सिंह सेतु पर नियमित जांच के दौरान एक कंटेनर आती दिखाई पड़ी। उत्पाद विभाग की टीम ने जब उक्त कंटेनर को रूकवा चालक से पूछताछ की तो उसने बताया कि कंटेनर में फर्नीचर लदा है। लेकिन, वह पुलिस की पूछताछ में घबड़ाने लगा। उसकी घबड़ाहट से टीम को शक हुआ तथा स्कैनर से जांच करने पर कंटेनर में फर्नीचर के नीचे दबी शराब की पेटियां नजर आई। जब गहन तलाशी ली गई तो चालक की सीट के पीछे एक तहखाना मिला, जिसमें शराब की पेटियां छुपाई गई थीं। शराब को नजरों से बचाने के लिए कंटेनर में सोफा, अलमारी और अन्य लकड़ी के फर्नीचर रखे गए थे। इन फर्नीचरों के भीतर छुपाकर शराब की पेटियां रखी गई थी। कंटेनर में 99 पेटी शराब में कुल 1188 बोतल शराब के अलावे एक पेटी बीयर भी बरामद किया गया। बरामद शराब की कीमत करीब 10 लाख रुपए आंकी जा रही है। इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने कंटेनर को जब्त कर चालक को हिरासत में ले पूछताछ शुरू किया। इस दौरान उसने स्वीकार किया कि कंटेनर में शराब की खेप लदी है। इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्कर सह चालक की पहचान मधेपुरा जिला के बिहारीगंज थाना के मंझौरा गांव निवासी योगी मेहरा के पुत्र धर्मेंद्र कुमार के रूप में हुई है। उसने पुलिस को बताया कि शराब की यह खेप आगरा से दरभंगा लेकर जा रहा था। प्रभारी उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब तस्करी रोकने के लिए उत्पाद विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में इस कंटेनर को जब्त किया गया है।

सीमावर्ती इलाका है बक्सर, अंतरराज्जीय गिरोह के अपराधियों पर रखें विशेष नजर : एडीजी

केटी न्यूज/बक्सर

एससी-एसटी के एडीजी अमित जैन ने एसपी कार्यालय में पुलिस पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इसमें अपराध नियंत्रण व लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित केसों का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए और अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस को न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

अंतर-राज्जीय अपराधियों पर विशेष नजर : बक्सर की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए एडीजी ने अंतर-राज्जीय अपराधियों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। बक्सर दो तरफ से यूपी की सीमा से सटा है। वहीं भोजपुर, कैमूर व रोहतास जिला की सीमा भी इससे जुड़ी है। जिस कारण अपराधी आसानी से किसी घटना को अंजाम दे यूपी या दूसरे जिलों में भाग खड़े होते है। ऐसे अपराधियों पर नकेल कसने की बात कहीं। उन्होंने जेल से रिहा हुए अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और नियमित पेट्रोलिंग करने, खासकर रात्रि गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया।

बधाई : ईद के चांद का हुआ दीदार, आज बंटेगी सेवाईयां

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

चांद का दीदार हो गया है, सोमवार को ईद मनाई जाएगी। चांद का दीदार होते ही रोजेदारों के चेहरे पर चमक बढ़ गई है। ईद की खुशी में सभी अकीदतमंद झूम उठे है। चांद के दिदार के साथ ही सोसल मीडिया पर ईद की बधाईयों का सिलसिला शुरू हो गया है। बता दें कि रमजान के पूरे महीने रोजे रखने के बाद ईद आती है। रविवार की शाम से ही रोजेदार एक दूसरे को बधाई देने लगे है। वहीं, मस्जिदों में नमाज की टाइमिंग निर्धारित हो गई है। डुमरांव के खिदमत गुजार कमिटि के अनुसार ईद की मुख्य नमाज सुबह 8.45 बेज ईदगाह में पढ़ी जाएगी। इसके पहले सुबह 7.30 बजे इलाही बख्श अहले हदीस मस्जिद में, सुबह आठ बजे तकिया मोहल्ला स्थित शाही जमा मस्जिद व चारमोटिया इनार स्थित गुलाब मस्जिद में, 8.15 बजे मिल्लन नगर ढेलवानी मोहल्ला स्थित मदीना मस्जिद, 8.30 बजे शहीद मर्द रोड स्थित बड़ी मस्जिद, 8.15 बजे अंसार कॉलोनी स्थित प्रिंस आलिया मस्जिद तथा नया भोजपुर के ईदगाह में सुबह आठ बजे व जामा मस्जिद में 8.30 बजे ईद की नमाज पढ़ी जाएगी।

ईद पर मुश्तैद है प्रशासन, सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम : ईद पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। सभी मस्जिदों तथा ईदगाह के बाहर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किए गए है। बक्सर व डुमरांव के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि ईद पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

लगातार दूसरी बार आईएमए के अध्यक्ष बने डॉ.रंगनाथ तिवारी

♦ डॉक्टर रितेश चौबे को सर्वसम्मति से सचिव के पद पर चयनित

♦ दोनों सदस्यों का चयन सत्र 2025-26 के लिए दोबारा किया गया

केटी न्यूज/बक्सर

आईएमए बक्सर की वार्षिक बैठक आयोजित हुई। जिसमें पिछले एक साल के कार्यकाल पर चर्चा की गई। जिसमें पिछले वर्ष हुए कार्य पर गहन चिंतन हुआ। साथ ही संगठन को और बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। इस दौरान बैठक के बाद आईएमए के जिला इकाई का गठन भी किया गया। इसके साथ ही कार्यकारिणी समिति का विस्तार भी किया गया। जिसमें डॉक्टर रंगनाथ तिवारी को जिला अध्यक्ष एवं डॉक्टर रितेश चौबे को सर्वसम्मति से सचिव के पद पर चयनित किया गया। दोनों सदस्यों का चयन सत्र 2025-26 के लिए दोबारा किया गया है। वही बैठक की अध्यक्षता आईएमए बक्सर के संस्थापक सदस्य डॉक्टर सीएम सिंह ने की। इस सभा में जिले के डॉक्टर एवं आईएमए के सदस्य डॉक्टर गिरिजा तिवारी, डॉक्टर नमिता सिंह, डॉक्टर बीके सिंह, डॉक्टर शैलेश राय, डॉक्टर श्रीनिवास उपाध्याय, डॉ अनिल सिंह, डॉक्टर राजीव झा, डॉक्टर गंगेय राय, डॉक्टर शैलेश श्रीवास्तव, डॉक्टर विनोद प्रसाद, डॉक्टर तुषार सिंह समेत अन्य शामिल रहे। वही पिछले सत्र के संपादित कार्य को लेकर सभी चिकित्सकों ने अध्यक्ष एवं सचिव को विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया। अगले वित्तीय वर्ष में भी बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

शहर के प्रसिद्ध मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में आयोजित हुआ था भव्य कार्यक्रम

चैत्र शुक्लपक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है भारतीय नववर्ष : डॉ. पीके पांडेय

केटी न्यूज/बक्सर

इंडियन एक्स सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम) बक्सर ने रविवार को भारतीय नववर्ष बड़े ही धूम धाम से मनाया। यह आयोजन आईईएसएम हेल्थ केयर शाहाबाद जोन के अध्यक्ष सह मां मुंडेश्वरी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मेजर पीके पांडेय एवं जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार मनाया गया। जिसमें आईईएस एम, बक्सर के जांबाज पूर्व सैनिकों एवं अस्पताल के सभी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विक्रमी संवत के आगाज पर डॉ. पीके पांडेय ने देशवासियों को भारतीय नव संवत्सर की हार्दिक बधाई दी एवं शक्ति की अराध्य देवी मां दुर्गा से सभी को सुखी एवं समृद्ध रहने का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि वर्ष चैत्र शुक्लपक्ष की प्रतिपदा तिथि ही भारतीय नववर्ष के रूप में मनाई जाती है। इसी दिन का हमारे इतिहास में भी बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि इसी दिन से विक्रमी संवत की शुरुआत हुई थी तथा विश्व प्रसिद्ध महाराजा विक्रमादित्य का राज्यरोहण भी इसी तिथि को हुआ था। उन्होंने कहा कि सभी सनातनियों को वर्ष प्रतिपदा का महत्व पता होना चाहिए। डॉ. पांडेय ने कहा कि हम सभी को प्रगाढ़ भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। वहीं, उपाध्यक्ष विद्यासागर चौबे ने कहा कि हमें पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण रोकना होगा तथा अपनी संस्कृति व परंपराओं का सम्मान करना होगा, तभी हम अपने देश व संस्कृति को और मजबूत बना सकते है। इसके लिए युवाओं को जागृत करना होगा। उन्हें अपने देश की संस्कृति व धर्म से अवगत कराना होगा। वरना धीरे-धीरे यह परांपरा विलुप्त हो जाएगी वहीं, अंत में डॉ. पीके पांडेय ने सभी को मिठाई खिला उन्हें भारतीय नववर्ष की बधाई दी। मौके पर सभापति कैप्टन बी एन पांडेय, जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आरबी ओझा, कार्यकारिणी चेयरमैन कैप्टन संजय पाठक, उप सभापति सूबेदार मेजर द्वारिका पाण्डेय, कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर आर बी सिंह, सचिव नायब सूबेदार हरेंद्र मिश्रा, उप कोषाध्यक्ष पेटी ऑफिसर सुरेंद्र सिंह, उप तकनीकी ऑफिसर नायब सूबेदार धनंजय दूबे, विद्यावती पाण्डेय, धनंजय तिवारी समेत कई अन्य पूर्व सैनिक व गणमान्य उपस्थित थे।

एमडीजे पब्लिक स्कूल का तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

- अव्वल प्रतिभागियों को विद्यालय के डायरेक्टर ने किया पुरस्कृत
- क्रिकेट समेत 36 तरह की खेलकूद में छात्रों ने लिया था हिस्सा

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा के एमडीजे पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता रंगारंग कार्यक्रम के साथ रविवार को संपन्न हो गया। जिसमें अव्वल रहे प्रतिभागी छात्रों को विद्यालय के डायरेक्टर नंद कुमार सिंह ने पुरस्कृत किया। इस प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेलों का आगाज क्रिकेट से हुआ। जिसमें फाइनल मैच ब्लू हिल्स की टीम व यल्लो हिल्स की टीम बीच खेला गया। जिसमें यल्लो हिल्स की टीम ने 3 रन से जीत दर्ज किया। वही जूनियर ग्रुप में क्रिकेट का मुकाबला परिवर्तन हाउस एवं सृजन हाउस की टीम के बीच खेल हुआ। जिसमें पांच रन से परिवर्तन हाउस की टीम को विजेता घोषित किया गया। विजेता टीम को विनर ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को रनर ट्रॉफी तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 36 प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया था जिसमें क्रिकेट के साथ-साथ कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 500 मीटर रेस, 1000 मीटर रेस, चेयर रेस, रिले रेस, सुई धागा रेस, जलेबी रेस,स्पून रेस, स्लो साइकिल रेस, मैथ रेस, थ्री लेग रेस, लॉन्ग जंप, हाई जंप, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, लूडो, चेस, कैरम बोर्ड इत्यादि खेल प्रमुख था। खेल शिक्षक की भूमिका विद्यालय के खेल शिक्षक दीपक कुमार तथा संतोष कुमार सिंह ने निभाई एवं समन्वयक की भूमिका सुरेश कुमार सिंह ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरीय शिक्षक मुन्ना कुमार ने किया। डायरेक्टर नंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्रों को पढ़ाई के साथ ही खेलकूद में भी रूचि रखनी चाहिए। इससे हमारा तन और मन दोनों स्फूर्त व स्वस्थ्य रहता है। निदेशक ने कहा कि छात्रों के अंदर छिपी नैसर्गिक प्रतिभा को निखारने के लिए ही विद्यालय परिवार द्वारा हर साल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक खेलकूद प्रतियोगिता का सार्थक परिणाम आया है। इन खेलों के सफल आयोजन में विद्यालय के प्राचार्य ए के घोष के नेतृत्व में उप प्राचार्य मुकेश कुमार, वीर बहादुर सिंह, राकेश रोशन, आकाश शर्मा, धीरेंद्र नाथ तिवारी, डॉक्टर सुशीला कुमारी, प्रीति कुमारी, राजेश्वरी शर्मा, सुष्मिता कुमारी, सविता कुमारी, दीक्षा कुमारी, सरिता सिंह, रीता सिंह समेत विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा।

एक नजर

क्षेत्र में शुरू हुई गेहूं की कटाई, इस बार बंपर पैदावार की बनी है उम्मीद

केसठ। क्षेत्र में पककर तैयार गेहूं की फसल की कटाई का कार्य शुरू हो गया है। जल्द ही थ्रेसिग का कार्य भी आरंभ हो जाएगा और किसान संभवतः अगले सप्ताह से खरीद केंद्रों की ओर पहुंचेंगे। होली के बाद गेहूं की फसल आमतौर पर पककर तैयार हो जाती है। गेंहू की फसल की किसानों ने कटाई शुरू कर दी है। मार्च माह के अंतिम सप्ताह में आरंभ हुआ फसल कटाई का कार्य अगले सप्ताह से और जोर पकड़ेगा। साथ ही थ्रेसिग का कार्य भी शुरू हो जाएगा और किसानों के द्वारा खरीद केंद्रों पर गेंहू पहुंचना आरंभ हो जाएगा। क्षेत्र के केसठ गांव में भी कटाई शुरू हो गई है। किसानों ने बताया मौसम सही रहा तो जल्द से जल्द गेहूं कटाई व थ्रेसिग का कार्य पूरा कर लेंगे। लगातार तापमान बढ़न से क्षेत्र में गेहूं की फसल पककर तैयार हो चुकी है। तो कुछ इलाकों में किसानों ने कटाई शुरू कर दी है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड में लगभग 1850 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गेहूं की बुवाई की गई है। किसानों ने बताया तापमान बढ़ने से समय से पहले ही फसलें पक चुकी है। ऐसे में किसान मजदूरों व हार्वेस्टर से फसलों को कटवा रहे हैं।

एमबीबीएस की परीक्षा पास करते ही रीतिक के परिवार में खुशी का माहौल

डुमरांव। जब कुछ बनने की हौसला अंदर जागृत होती है तो उसे हासिल करने में कितनी ही परेशानियों का सामना करना पड़े, कोई घबड़ाता नहीं है। कुछ इसी तरह की कहानी है डाक्टरी की परीक्षा एमबीबीएस पास करने वाले रीतिक राज की। इसके पास करते ही घर में खुशी का माहौल तो था ही मोहल्ले और हीत-मित्रों में भी काफी उत्साह है। परिवार में जश्न मनाया जा रहा है। रीतीक के माता रंजू वर्मा और पिता बिनोद वर्मा का कहना है कि शुरू से ही इसमें पढ़ाई के प्रति काफी लगन था। यही कारण है कि हर परीक्षा को प्रथम श्रेणी से पास करता गया। फिर इंटर करने के बाद जब नीट की परीक्षा में बैठा तो पहले ही स्टेप में पास कर गया। पास करने के बाद इसे स्वामी विवेकानंद सुभारथी मेडिकल कॉलेज, मेरठ में मिला जहां नामांकन हुआ। एमबीबीएस की परीक्षा पास करने के बाद इसने केटी न्यूज बात करने के दौरान बताया की मेरे सहयोगी के रूप में मेरे बड़े भाई प्रतीक नायर हमेशा साथ देते रहे। उन्हीं की प्रेरणा से आज मैं डाक्टर बन पाया हूं। वैसे मेरे माता-पिता भी चाहते थे की मैं डाक्टरी की पढ़ाई करू। उन्होंने कहा कि डुमरांव में मेरा जेनरल सर्जरी करने के लिये काम करना है, इसका शहर में काफी अभाव है। भविष्य में ट्रामा सेंटर खोलने का विचार है, जहां लोगों को पैरवी की आवश्यकता नहीं पड़े। इस ट्रामा सेंटर में इलाज के लिये इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नौजवानों के लिये उन्होंने कहा की शुरू से ही पढ़ाई का एम बनाकर आगे बढ़ना चाहिए, मंजिल जरूर मिलेगी।

खबरें फटाफट

डुमरांव एसडीपीओ शीघ्र चलाएंगे मिशन दलाल

डुमरांव। पुलिसिंग को पारदर्शी व दलालों पर लगाम लगाने के लिए डुमरांव एसडीपीओ सख्त हो गए हैं। डीजीपी विनय कुमार के निर्देश के बाद उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को चेतावनी दी है कि वे अपने थाने में किसी को भी अनावश्यक रूप से चक्कर नहीं लगाने दें। उन्होंने कहा कि बिना वजह थाना का चक्कर लगाने वाले दलालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, संबंधित थानाध्यक्ष पर भी गाज गिरेगी। एसडीपीओ ने थानाध्यक्षों से कहा है कि जो बार-बार थाना आते हैं, उनका नाम आगंतुक पंजी में दर्ज करें। पंजी में दर्ज रिपोर्ट के आधार पर बार-बार अकारण थाने आने वाले व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई होगी। साथ ही संबंधित थानाध्यक्ष के विरूद्ध आवश्यक समझे जाने पर अनुशासनात्मक एवं विभागीय कार्यवाही के लिए भी वरीय अधिकारी को अनुशंसा भेजी जाएगी। बता दें कि सूबे के डीजीपी विनय कुमार ने इसे लागू करने के लिए सभी जिलों के एसपी और संबंधित पुलिस अधिकारियों को आदेश की कॉपी भेजी है। एसडीपीओ ने थानाध्यक्षों से कहा है कि हर हाल में आगंतुक पंजी का संधारण कराए तथा आगंतुक पंजी में दर्ज प्रविष्टियों का मिलान थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी तरह इस नियम का उल्लंघन न हो। रजिस्टर में जिसका नाम बार-बार दर्ज होगा, उसके संबंध में जानकारी प्राप्त कर विस्तृत जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अगर थानाध्यक्ष की भूमिका संदिग्ध या लापरवाह पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध भी अनुशासनिक और विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा वरीय पदाधिकारी से की जाएगी। एसडीपीओ ने आम जनता से भी अपील की कि वे ऐसे दलालों से सावधान रहें और यदि किसी को इस तरह की गतिविधियों की जानकारी हो, तो तुरंत वरीय पुलिस पदाधिकारी को सूचित करें। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय से जारी किए गए निर्देशों से यह स्पष्ट है कि पुलिस प्रशासन किसी भी तरह की बाहरी हस्तक्षेप को सहन नहीं करेगा।

डुमरांव एसडीपीओ ने कहा... गिरोह बना तस्करों से शराब लूटते थे मृतक व आरोपित

खुलासा, आपसी विवाद में दोस्तों ने की थी डुमरांव के विकास की हत्या

- कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के टुड़ीगंज स्टेशन के समीप एक बागीचे में मिला था विकास का शव,
- वैज्ञानिक अनुसंधान में पुलिस को मिली यह सफलता

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव के लालगंज कड़वी निवासी स्व. प्रेमचंद राय व संतरा देवी के 17 वर्षीय पुत्र विकास कुमार उर्फ अरविंद कुमार हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। उसकी हत्या कुल आठ दोस्तों ने ही आपसी विवाद में कर दी थी। पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, अन्य सात की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने रविवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार अभियुक्त मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुरूदास मठिया गांव निवासी पवन पांडेय पिता चंदन पांडेय का अपराधिक इतिहास भी रहा है तथा उस पर पूर्व में भी हत्या का प्रयास, आर्म्स ऐक्ट जैसे संगीन मामलों में कई एफआईआर दर्ज है। वहीं, अन्य आरोपितों में अंकित राय, अनुराग कुमार, मयंक, रोहित, आकाश, अंकित यादव और पियूष कुमार शामिल है, जिनका अपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है। एसडीपीओ ने बताया कि जल्दी ही अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके लिए टीम गठित की गई है। मृतक विकास तथा उसकी हत्या में शामिल अभियुक्त एक गिरोह बना यूपी से ट्रेन के सहारे शराब की खेप लेकर आने वाले तस्करों से शराब लूट लेते थे तथा उस शराब को बेच मोटी रकम कमाते थे।

पार्टी के बहाने नया भोजपुर में बुला हत्या कर फेंक दिया शव

आरोपितों ने बड़ी चालाकी से पार्टी करने के बहाने विकास को 14 अक्टूबर 2024 को उसके घर से नया भोजपुर बुलाया, जहां पार्टी में छककर खिलाने पिलाने के बाद सभी ने मिलकर गला दबा उसकी हत्या कर दी तथा शव को टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के समीप एक सुनसान बागीचे में फेंक दिया था। पुलिस से बचने के लिए वे पहले ही अपने मोबाईल को अपने घर छोड़ दिए थे, ताकी पुलिस लोकेशन ट्रैक या टॉवर डंप के माध्यम से उनतक न पहुंच जाए। 15 अक्टूबर की शाम कृष्णाब्रह्म पुलिस ने स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लिया। कुछ घंटो के प्रयास के बाद उसकी शिनाख्त डुमरांव के लालगंज कड़वी निवासी स्व. प्रेमचंद राय के पुत्र विकास उर्फ अरविंद के रूप में हुई। इस मामले में उसकी मां संतरा देवी ने डुमरांव के ही खिरौली निवासी बली राय के पुत्र विकास कुमार पर एफआईआर दर्ज कराई थी।

वैज्ञानिक अनुसंधान में सामने आये तथ्य

पुलिस ने जब वैज्ञानिक तरीके से इस मामले की जांच की तो सच्चाई परत दर परत खुलती चली गई तथा पुलिस के हाथ असली हत्यारों के गिरेबां तक पहुंच गया। एसडीपीओ ने बताया कि जल्दी ही इस मामले में शामिल अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कृष्णाब्रह्म पुलिस के लिए विकास की हत्या एक पहेली बन गई थी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह मामला काफी पेचिदा बन गया था तथा उसकी मां ने जिस लड़के को एफआईआर में नामजद की थी, उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला था। इधर दो दिन पूर्व मुफस्सिल थाने की पुलिस ने इस हत्याकांड में गिरफ्तार पवन पांडेय के भाई अमन पांडेय को सोसल मीडिया पर देशी पिस्टल के साथ फोटो डालने के जुर्म में गिरफ्तार किया। अमन से पूछताछ तथा उसके पास से जब्त स्मार्ट फोन से ही विकास हत्याकांड का राज खुला तथा पुलिस को उसके भाई पवन समेत इस हत्याकांड में शामिल अन्य अपराधियों के बारे में जानकारी मिली।

जिले के सभी 30 प्रखंड साधन सेवी को डीईओ ने किया सेवामुक्त, पत्र जारी

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के निर्देश पर जिलान्तर्गत कुल 30 सेवा निवृत शिक्षक प्रखंड साधन सेवी को कार्यमुक्त कर दिया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी के पत्र के आलोक में सभी प्रखंड साधन सेवी को प्रतिदिन 10 विद्यालयों का अनुश्रवण किया जाना अनिवार्य है। अपर मुख्य सचिव के आदेश पर पूर्व में ही प्रखंड साधन सेवी से विद्यालय अनुश्रवण करवाने पर रोक लगा दी गई थी। प्रखंड साधन सेवी का मूल कार्य विद्यालय अनुश्रवण करना था, प्रखंड साधन सेवी से अनुश्रवण पर रोक लगाने के उपरान्त उन्हें पद पर बनाये रखने का कोई औचित्य नहीं हैद्ध इसको देखते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर ने 31 मार्च से सभी प्रखंड साधन सेवी को सेवामुक्त कर दिया है। इसको लेकर पत्र जारी किया गया है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि इनसे किसी भी प्रकार का कार्य नहीं लिया जाएगा और न ही कोई भुगतान किया जाएगा। वहीं राज्य परियोजना निदेशक के आदेश पर आउटसोर्सिंग एजेन्सी के माध्यम से विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मी एवं पदाधिकारी की सेवा 31 मार्च 2025 के उपरान्त जारी नहीं रखी जाए. इस संबंध में डीईओ ने पत्र जारी कर खेद जताया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा है कि बक्सर जिला में आउटसोर्सिंग एजेन्सी के माध्यम से विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मी एवं पदाधिकारी की सेवा 31 मार्च 2025 तक ही जारी रखी जाएगी। उक्त दिवस के उपरान्त आपकी सेवा एवं तदालोक में वेतन भुगतान मद में कोई राशि जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय को प्राप्त नहीं होने के कारण आपकी सेवा जारी रखना संभव नहीं होगा। इन सभी को कार्य मुक्त कर दिया गया है।

भटौली में चैता गायन का आयोजन

नावानगर। स्थानीय प्रखंड अंतर्गत भटौली गांव के शिव मंदिर परिसर में शनिवार की देर शाम चैता गायन का आयोजन किया गया। जिसमें लोकल भोजपुरी गायकों ने पूरी रात परंपरागत चैत गीत गाकर सबको भरपूर मनोरंजन किया। वही चैता गायन पर नृत्य करते नृत्यांगना के ठुमके से लोग झूम उठे। इस दौरान पारंपरिक गीतों का भी गायन हुआ। इसमें बुर्जुगों सहित युवाओं ने भी भाग लिया। चैता गायन कार्यक्रम का उद्घाटन राजद नेता शारदा यादव ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें पारंपरिक शैली का बचाकर रखना है। साथ ही युवाओं के बीच भी प्रचारित करना है। ताकि वह इससे जुड़ सके। इस अवसर पर ग्राम पंचायत भटौली सरपंच रामशीष यादव, रामछठी यादव, पूर्व सरपंच मुख्तार यादव, रविंद्र कुमार रवि, बिरेंद्र कुमार सिंह, मो रुस्तम अंसारी समेत अन्य जनप्रतिनिधि व समाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

नावानगर में किशोरी प्रज्ञा पांडेय का कथा सप्ताह शुरू, कथामृत का पान करने बड़ी संख्या में आ रहे है श्रद्धालु

श्रीमद्भागवत कथा एक अमर कथा है, इसके अमृत पान से पापों का होता है नाश : कथावाचिका

केटी न्यूज/नावानगर

श्रीमद्भागवत कथा एक अमर कथा है। इस कथा के अमृत पान करने से संपूर्ण पापों का नाश हो जाता है। उक्त बातें स्थानीय गांव स्थित विश्वकर्मा मंदिर परिसर में सात दिवसीय महायज्ञ के प्रथम दिन रविवार को कथावाचिका किशोरी प्रज्ञा पांडेय साध्वी ने कही। उन्होंने कहा कि जन्म-जन्मांतर एवं युग-युगांतर में जब पुण्य का उदय होता है, तब ऐसा अनुष्ठान होता है। इसे सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते है। उन्होंने कहा कि वेदों का सार युगों-युगों से मानवजाति तक पहुंचाता रहा है। श्रीमद्भागवत पुराण उसी सनातन ज्ञान की पयस्विनी है, जो वेदों से प्रवाहित होती चली आई है। उन्होंने कहा श्रीमद्भागवत महापुराण को वेदों का सार कहा गया है। उन्होंने श्रीमदभागवत महापुराण कथा में शुकदेव मुनि द्वारा राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाए जाने पर प्रवचन दिया। कहा सात दिनों के अंदर तक्षक के दंश से मृत्यु का श्राप मिला था। श्रीमदभागवत कथा के अमृत पान करने से संपूर्ण पापों का नाश हो गया था। कथा शुरू होने से पूर्व आचार्य बड़क बाबा द्वारा आरती कर इस कथा की शुरूआत की गई। इस दौरान यज्ञ कमिटी द्वारा कथावाचक व अन्य सदस्यों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। कमिटी के सदस्यों ने बताया कि यह महायज्ञ तीन अप्रैल को भंडारे के साथ संपन्न होगा। साथ ही विश्वकर्मा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस आयोजन से इलाके में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित होने लगी है। ध्वनि विस्तारक यंत्रों से बजाए जा रहे मांगलिक गीत, मंत्रोच्चार व श्रीमद् भागतव कथा से माहौल भक्तिमय बन गया है। दूर दराज से श्रद्धालु कथामृत का पान करने आ रहे है। वहीं, साध्वी प्रज्ञा पांडेय के मुखारबिंदू से कथामृत का पान करने वाले श्रद्धालु उनके जयकारे लगा रहे है। कथा सुनने वालों में महिला श्रद्धालुओं की संख्या सबसे अधिक देखी जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन को सफल बनाने का भरपूर प्रयास कर रहे है। वहीं सुरक्षा के भी व्यापाक प्रबंधक किये गए है। ताकि परेशानी नहीं हो।

भोजपुर पुलिस और बिहार एसटीएफ के अभियान से मिली सफलता

तनिष्क शोरूम लूटकांड में 4 लुटेरों समेत 10 गिरफ्तार

- मुख्य अपराधी समेत 10 को जम्मू से किया गया गिरफ्तार
- प्रेसवार्ता के दौरान आरा एसपी श्रीराज ने दी जानकारी

केटी न्यूज/आरा

आरा के चर्चित तनिष्क शोरूम लूट में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पटना की एसटीएफ की मदद से लूट की घटना में शामिल एक मुख्य अपराधी समेत 10 को जम्मू गिरफ्तार किया गया। अररिया का निवासी सूरज मंडल बताया जा रहा है। सूरज कस्टमर बनकर शो रुम में अंगूठी देखने के बहाने घुसा था पुलिस ने इनके पास से दो सोने का चैन, एक अंगूठी, 4 सोने का बिस्किट , एक ब्रेसलेट, 7 मोबाइल एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त कार, घटना में प्रयुक्त एक कपड़ा बरामद किया गया है इसकी जानकारी प्रेस वार्ता के दौरान एसपी श्रीराज ने दी है। एसपी में बताया कि सूरज मंडल को सीसीटीवी फुटेज में उसे शोरूम में हथियार के बल पर लूटपाट करते देखा जा रहा है। उसी आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया है। सूरज मंडल कुछ रोज पहले अररिया में एनकाउंटर में मारे गए चुनमुन झा का शागिर्द और उसके गिरोह का दाहिना हाथ भी बताया जा रहा है। सूरज के अलावा पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें अमित कुमार, गौरव कुमार, मो चांद आलम, अभिषेक कुमार सुमित कुमार, अभिमन्यु कुमार उर्फ पगला, प्रीतम कुमार और हिमांशु कुमार है। एसपी ने बताया कि डकैती के बाद शोरूम से मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सूरज मंडल की पहचान की गयी थी। इसके बाद से पुलिस टीम उसके पीछे लगी थी। उस बीच इनपुट के आधार पर उसे जम्मू से लाया गया है। जिले बाद कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिसमें लूट के दौरान 4 लोग की संलिप्ता है। वही सीसीटीवी फुटेज में प्रिंटेड शर्ट पहने सूरज मंडल को हथियार के बल पर शोरूम के कर्मियों को बंधक बनाते और लूटपाट करते देखा जा रहा है। तनिष्क शोरूम में धावा बोल अपराधियों ने करीब दस करोड़ के आभूषण की डकैती की गयी थी। सात-आठ की संख्या में रहे अपराधियों आभूषण के अलावे कुछ नगदी और एक सिक्योरिटी गार्ड का लाइसेंसी हथियार छीन लिया गया था। हालांकि कुछ घंटे के भीतर ही बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा के समीप पुलिस द्वारा सारण जिले के दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

लूटकांड के बाद बरामद किया था आभूषण

पुलिस ने घटना के तुरंत बाद ही पांच लोगों को गिरफ्तार किया था और दो झोला आभूषण भी बरामद किया था, इसी कड़ी में भोजपुर पुलिस, एसटीएफ और बिहार के विभिन्न जिला के पुलिस बाल की मदद से ये उपलब्धि मिली है। गिरफ्तार अभियुक्त में से 4 घटनास्थल पर मौजूद थे जिसका सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सत्यापन किया गया है। बाकी छे लूट गए आभूषण को रिसीव करने या प्लानिंग में जिसने मदद की है इन सभी को गिरफ्तार किया गया है। इन सब के पास से लूटे गए सोने को पिघला कर बिस्किट बनाया है जिसका कुल वजन 432 ग्राम है और दो सोने का चेन और सूरज मंडल ने लूट के दौरान जो कपड़ा पहना था उसे बरामद किया गया है। जो भी सामान बरामद किया गया है उसे कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा और पुलिस रिमांड लेकर सभी अभियुक्त से पूछताछ की जाएगी। इसमें और कई लोगों को चिन्हित किया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया नव वर्ष

- रामलीला मैदान में मनायी गई संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉ केशव हेडगेवार की जयंती

केटी न्यूज/आरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरा नगर के द्वारा कल दिनांक 30 मार्च को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन हिन्दू नववर्ष वीर कुंवर सिंह मैदान में स्थित रामलीला मैदान में मनाया गया साथ ही संघ के संस्थापक परम पूज्य आधासरसंघचलक डॉ केशव हेडगेवार की जयंती भी थी । जिसमें मुख्य रूप से संघ के भोजपुर विभाग के विभाग कार्यवाह डॉ विमल का उद्बोधन हुआ। डॉ. विमल ने बताया कि संघ कैसे हिंदुत्व के प्राचीनतम संस्कृति से राष्ट्र को जोड़ता है। विक्रम संवत कैसे पौराणिक भी है और वैज्ञानिक भी है, संघ और हिंदुत्व एक दूसरे के पूरक है। संघ अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन को लेकर संकल्पित है । कैसे हिन्दू समाज अपने मूल को भूलता चला गया और हम हिन्दू समाज के लोग अपने वेदों से दूर होते चले गए हमारे संस्कार कैसे हमसे छूटते चले गए

हम सभी को जातियों में तोड़कर कैसे बाहरी आक्रांताओं ने हम पर शासन किया और हमारी संस्कृति को समाप्त करने का का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय संस्कृति को बचाये रखने के लिए यह जरूरी है कि युवाओं को देश की सभ्यता और संस्कृति से अवगत कराया जाए। उन्हें इसके महत्व के बारे में जानकारी दी जाए। तभी उनका जुड़ाव इसमें होगा। इसके साथ ही और अन्य बातें बताई गई। जिसमें संघ के आगमी योजनाओं के बारे में भी स्वयंसेवकों को बताया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख श्रीमान राणा प्रताप, विभाग संघचालक ओम प्रकाश अग्रवाल, नगर संघचालक अशोक प्रसाद सहित अन्य सैकड़ों स्वयंसेवक शामिल हुए।

राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ में आरक्षण की उठी मांग

आरा। राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आरा स्थित नागरी प्रचारिणी में हुआ। अध्यक्षता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनु राठौर ने की और संचालन प्रधान महासचिव भिखारी राम ने किया। उद्घाटन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार साधु, पूर्व मंत्री सुरेंद्र राम और पूर्व विधायक समता देवी ने किया। सभा को संबोधित करते हुए साधु ने कहा कि तेजस्वी यादव के 17 महीने की सरकार में बिहार में बढ़ाई गई 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को रोक देने से अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 16 प्रतिशत आरक्षण का सीधा नुकसान हो रहा है।

अनुसंधान में चुनौतियों को स्वीकार कर शोध करने की जरूरत

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के श्रीत्रिदंडी देव राजकीय डिग्री कॉलेज गौतम नगर शाहपुर और आई जोरा रिसर्च एसोसिएशन झारखंड की ओर से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। बहुविषयक अनुसंधान के विभिन्न आयाम, चुनौतियां व अवसर विषय पर आयोजित सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि वीकेएसयू के कुलसचिव प्रो रणविजय कुमार, पीजी मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो लतिका वर्मा, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो अवध बिहारी सिंह, सीनेटर संतोष तिवारी, नेपाल के वेस्टर्न विवि के प्रो मदन सिंह देवोपा, सलाहकार डॉ. लक्ष्मण तिवारी ने किया।

बड़हरा में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 150 लोगों ने कराई अपनी जांच

केटी न्यूज/आरा

समाजसेवी सोनाली सिंह ने रविवार को बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के छोटी खवासपुर गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस दौरान गांव के सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य जांच हुआ। वहीं बीपी, शुगर, फीवर के साथ ही अन्य जांच भी हुआ। वहीं समय हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में यह जांच शिविर चला। वहीं निःशुल्क जांच शिविर में गांव के कई बुर्जुग पुरुष और महिला समेत अन्य गांव के लोग पहुंच। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में गांव के लगभग 150 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। इस जांच से गांव के लोगों ने सराहनीय कार्य बताया है। ग्रामीण लोगों को स्वास्थ्य जांच के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करके शहर जाना पड़ता है। ऐसे इन गांव में ही जांच हो जाने से उन्हें काफी सहूलियत मिली है। जिससे गांव वालों में खुशी देखी गई

है। उनका कहना है कि अगर गांव में टाइम तो टाइम स्वास्थ्य जांच शिविर लगता रहे तो अच्छा होगा। वहीं समाजसेवी सोनाली सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य जांच में बीपी, शुगर, हार्ट और अन्य बीमारी के बारे में जांच किया जा रहा है। अगर किसी को आंखों की बीमारी है तो समय हॉस्पिटल पटना और आरा की टीम उन मरीजों को हॉस्पिटल में जांच करेंगे। वहीं अगर किसी लोगों का आयुष्मान कार्ड है तो उनका इलाज उससे किया जाएगा। वहीं डॉक्टर मनोज कुमार ने बताया कि सुबह से लगभग 150 लोगों की जांच हुई है। जेनरल फिजिशियन डॉक्टर ने जांच के बाद दवा का भी वितरण किया।

सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आरा स्टेशन पर रखी अपनी मांग

वरिष्ठ नागरिकों को रेल टिकट में छूट की मांग को पुनः बहाल करने को लेकर धरना

केटी न्यूज/आरा

वरिष्ठ नागरिकों को पूर्व में मिलने वाली रेलवे टिकटों पर पुनः छूट को लेकर आरा रेलवे परिसर के इंक्वारी काउंटर के सामने एक दिवसीय सामूहिक धरना का आयोजन किया गया। इस धरना का आयोजन सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा किया गया। धरना पर बैठे सभी सीनियर सिटीजनों ने रेलवे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना पर सैकड़ों सीनियर सिटीजन मौजूद थे। वहीं धरना पर बैठे राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रसाद सिंह पूरे राष्ट्रीय स्तर पर सीनियर सिटीजन

वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बैनर तले एक सूत्री मांग को लेकर एक दिवसीय सामूहिक धरना का आयोजन किया गया। पुरुष सीनियर सिटीजन को 50 साथ ही महिला सीनियर सिटीजन को 40 प्रतिशत मिलता था। यह सभी ट्रेनों और सभी बोगियों चाहे अउ हो या स्लीपर कोच हो सभी में छूट मिलती थी। रेलवे ने यह सारी सुविधा कोरोना काल के बाद से बंद कर दिया है। उन्होंने बताया कि पहले जितने भी सीनियर सिटीजन थे या अभी भी जो है वे सभी लोग तीर्थों पर घूमने जाते थे। लेकिन पहले छूट मिलता था, लेकिन अब रेलवे ने यह छूट देना बंद कर दिया है। अगर रेलवे हमारी मांग पूरी नहीं करता है तो यह आंदोलन आगे और भी चलेगा। सभी के घर में बुजुर्ग है। रेलवे में छूट मिलने से सभी चिकित्सका के लिए मुंबई, दिल्ली जाते थे। पर्यटन के लिए अयोध्या, हरिद्वार जाते थे । केंद्र सरकार ने यह आरक्षण बंद किया है मैं इसका घोर आलोचना कर रहा हूं। एक तरफ अपना वेतन 24 प्रतिशत बढ़ा देते है। दुर्भाग्य है कि पक्ष-विपक्ष देश के संसद में कोई भी सांसद इसका विरोध नहीं करता । अगर ऐसे ही रवैया रही केंद्र सरकार का तो आने वाले समय में बिहार समेत चार-पांच राज्यों में होने वाले चुनाव में अंजाम बुरा होगा। सभी वरिष्ठ नागरिक जंतर-मंतर पर धरने पर बैठकर सरकार से आर-पार से लड़ाई का काम करेंगे।

इस्लामिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है ईद-उल-फितर

ईद-उल-फितर इस्लाम के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। पूरे एक महीने तक रोजे रखने के बाद ईद बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इस पर्व को मीठी ईद के रूप में भी मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह पर्व हर साल 10वें शव्वाल के पहले दिन मनाया जाता है।

ईद-उल-फितर इस्लामिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। इसे मीठी ईद के रूप में भी जाना जाता है। वहीं, यह दिन रमजान के पवित्र महीने के अंत का भी प्रतीक है। यह इस्लामिक कैलेंडर की पहली तारीख को पड़ता है। इस पवित्र दिन लोग अपना रोजा समाप्त करके ईद मनाते हैं और अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, भव्य दावतें तैयार करते हैं। साथ ही अपने प्रियजनों से मिलने के लिए जाते हैं। कहा जाता है कि इस शुभ अवसर पर दान करने का भी अपना एक खास महत्व है।

ईद-उल-फितर 2025

ईद मनाने की वास्तविक तारीख चंद्रमा के दर्शन पर निर्भर करती है। चंद्रमा का दर्शन इस्लामी कैलेंडर के अनुसार होता है और चंद्रमा के वास्तविक दर्शन की प्रतीक्षा की जाती है। अगर 30 मार्च की शाम को चांद नजर आ जाता है तो ईद 31 मार्च 2025,सोमवार को होगी। लेकिन अगर चांद 31 मार्च की शाम को दिखता है तो ईद 1 अप्रैल 2025 मंगलवार को मनाई जाएगी।

ईद-उल-फितर कैसे मनाएं

- सबसे पहले लोग पवित्र स्नान करते हैं।
- ईद के दिन सुबह नमाज पढ़ना बहुत जरूरी होता है।
- नमाज अदा करने के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलते हैं और ईद मुबारक की शुभकामनाएं देते हैं।
- महिलाएं घरों में ढेर सारे सूखे मेवों से मिठाइयां-सेवइयां बनाती हैं।
- इस अवसर पर लोग नए कपड़े पहनते हैं और नमाज के लिए मस्जिद जाते हैं।
- घर वापस आकर वे उस मीठे पकवान को खाते हैं और रिश्तेदारों और दोस्तों में भी बांटते हैं।
- इस दिन जरूरतमंदों को भोजन कराना उन्हें पैसे और कपड़े देना शुभ माना जाता है।
- इस दिन अल्लाह को खुश करने के लिए एक बुरी आदत का भी त्याग किया जाता है।

खुशी और समर्पण के साथ मनाया जाएगा ईद-उल-फितर

इस समय रमजान का पाक महीना चल रहा है। रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना होता है। इसे माह-ए-रमजान भी कहा जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के महीने में रोजा रखते हैं। रोजा के दौरान लोग सहरी करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले उठते हैं और शाम को इफ्तार साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। यानी इस पूरे महीने में मुसलमान लोग सूरज निकलने से लेकर डूबने तक कुछ भी नहीं खाते पीते हैं। साथ में महीने भर इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। एक महीने तक रोजा रखने के बाद ईद-उल-फितर यानी ईद मनाई जाती है। पूरे महीने भर रोजा रखने के बाद ईद के इंतजार की खुशी अलग ही होती है। हालांकि ईद मनाने की तारीख चांद दिखने के हिसाब से ही मुकम्मल की जाती है। जिस दिन चांद दिखता है, उस दिन को चांद मुबारक कहा जाता है और ईद मनाई जाती है। सऊदी अरब में सबसे पहले ईद की तारीख का एलान किया जाता है।

ईद-उल-फितर कब है?

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार ईद 10वें शव्वाल (महीने) की पहली तारीख को मनाई जाती है लेकिन इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग अपना त्योहार चांद को देखकर मनाते हैं। ऐसे में ईद का चांद नजर आने के बाद ही ईद-उल-फितर की सही तारीख मुकर्रर की जाएगी। फिलहाल 31 मार्च या 1 अप्रैल को ईद का त्योहार मनाए जाने की उम्मीद है।

ईद-उल-फितर का महत्व

इस्लाम धर्म को मानने वाले लोगों के लिए ईद का त्योहार बेहद खास होता है। ये अल्लाह का शुक्रिया अदा करने का दिन होता है। मुस्लिम समुदाय के लोग खुशी और जश्न के साथ ईद मनाते हैं। ईद-उल-फितर को छोटी ईद और मीठी ईद भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर में रमजान का महीना नौवां महीना होता है। वहीं दसवां महीना शव्वाल है। शव्वाल के पहले दिन दुनिया भर में ईद-उल-फितर यानी ईद मनाई जाती है। शव्वाल का अर्थ है, उपवास तोड़ने का त्योहार। इस दिन एक महीने तक रोजा रखने के बाद लोग उपवास तोड़ते हैं और त्योहार का जश्न मनाते हैं।

इस तरह मनाते हैं ईद

ईद-उल-फितर के दिन सुबह सबसे पहले नमाज अदा की जाती है। इसके बाद खजूर या कुछ मीठा खा कर रोजा समाप्त किया जाता है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनकर मस्जिद में नमाज अदा करने जाते हैं। साथ ही एक दूसरे से गले मिलकर खुशियां जाहिर करते हैं। सभी रिश्तेदार और दोस्त एक दूसरे के घर दावत पर जाते हैं और ईद की मुबारकबाद देते हैं। साथ ही घरों में तरह-तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। इस दिन मीठी सेवइयां खाई जाती हैं और बच्चों को ईदी भी दी जाती है।

ईद-उल-फितर का इतिहास

मान्यता है कि सबसे पहली ईद सन् 624 ईस्वी में पैगंबर मुहम्मद ने मनाई थी। इस दिन पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब ने बद्र के युद्ध में जीत हासिल की थी। इस खुशी में ईद मनाई जाती है। मोहम्मद साहब ने कुरान में दो पवित्र दिन को ईद के लिए निर्धारित किया था। इस तरह से साल में दो बार ईद मनाई जाती है, जिसे ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा के मान से जाना जाता है। इस्लामिक प्रथा के अनुसार ईद की नमाज अदा करने से पहले हर मुस्लिम व्यक्ति को दान देना जरूरी होता है।

खुदा का इनाम है ईद-उल फितर

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद जलवा अफरोज हुआ ईद-उल फितर का त्योहार खुदा का इनाम है, मुसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है, खुशियों का गुलदस्ता है, मुस्कुराहटों का मौसम है, रौनक का जश्न है। इसलिए ईद का चांद नजर आते ही माहौल में एक गजब का उल्लास छा जाता है। ईद के दिन सिवइयों या शीर-खुरमे से मुंह मीठा करने के बाद छोटे-बड़े, अपने-पराए, दोस्त-दुश्मन गले मिलते हैं तो चारों तरफ मोहब्बत ही मोहब्बत नजर आती है। एक पवित्र खुशी से दमकते सभी चेहरे इंसानियत का पैगाम माहौल में फैला देते हैं। अल्लाह से दुआएं मांगते व रमजान के रोजे और इबादत की हिम्मत के लिए खुदा का शुक्र अदा करते हाथ हर तरफ दिखाई पड़ते हैं और यह उत्साह बयान करता है कि लो ईद आ गई। कुरआन के अनुसार पैगंबरे इस्लाम ने कहा है कि जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों तथा उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं, तो अल्लाह एक दिन अपने उक्त इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं और इसी बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल फितर का नाम देते हैं। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस पूरे माह में रोजे रखे जाते हैं। इस महीने के खत्म होते ही दसवां माह शव्वाल शुरू होता है। इस माह की पहली चांद रात ईद की चांद रात होती है। इस रात का इंतजार वर्ष भर खास वजह से होता है, क्योंकि इस रात को दिखने वाले चांद से ही इस्लाम के बड़े त्योहार ईद-उल फितर का ऐलान होता है। इस तरह से यह चांद ईद का पैगाम लेकर आता है। इस चांद रात को अल्फा कहा जाता है। रमजान माह के रोजे को एक फर्ज करार दिया गया है, ताकि इंसानों को भूख-प्यास का महत्व पता चले। भौतिक वासनाएं और लालच इंसान के वजूद से जुदा हो जाए और इंसान कुरआन के अनुसार अपने को ढाल लें। इसलिए रमजान का महीना इंसान को अशरफ और आला बनाने का मौसम है। पर अगर कोई सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करे और उसके बंदों से मोहब्बत करने व उनकी मदद करने से हाथ खींचे तो ऐसी इबादत को इस्लाम ने खारिज किया है। क्योंकि असल में इस्लाम का पैगाम है- अगर अल्लाह की सच्ची इबादत करनी है तो उसके सभी बंदों से प्यार करो और हमेशा सबके मददगार बनो। यह इबादत ही सही इबादत है।

भाईचारे का संदेश देता है ईद का त्योहार

रमजान का पाक महीना अपने अंतिम चरणों में है। रमजान के बाद ही ईद-उल-फितर का त्योहार आता है, जो इस्लाम धर्म का एक पावन पर्व है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, रमजान के बाद 10वें शव्वाल की पहली तारीख को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाता है। ईद कब मनायी जाएगी यह चांद के दीदार से तय होती है।

ईद का त्योहार चांद को देखकर निश्चित होता है। चांद के दीदार के बाद ईद-उल-फितर पर्व 31 मार्च या 1 अप्रैल को है। ईद-उल-फितर को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। इसमें मीठे पकवान (खासतौर पर सेंवईं) बनते हैं। लोग आपस में गले मिलकर अपने गिले-शिकवों को दूर करते हैं। घर आए मेहमानों की विदाई कुछ उपहार देकर की जाती है। इस्लामिक धर्म का यह त्योहार भाईचारे का संदेश देता है। ईद उल फितर के दिन लोग सुबह नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हुए अमन और चैन की दुआ मांगते हैं। ईद उल फितर के मौके पर लोग खुदा का शुक्रिया इसलिए करते हैं क्योंकि अल्लाह उन्हें महीने भर उपवास पर रहने की ताकत देते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि रमजान के पवित्र महीने में दान करने से उसका फल दोगुना मिलता है। ऐसे में लोग गरीब और जरूरतमंदों के लिए कुछ रकम दान कर देते हैं। रमजान महीने में रोजा रखने का मतलब होता है कि लोगों को भूख प्यास का एहसास हो सके। इस दिन कई तरह के पकवान घर में बनाएं जाते हैं।

चांद के दीदार के बाद मनाई जाती है भारत में ईद

पूरे देश में रमजान का पाक महीना मनाया जा रहा है। इसके खत्म होने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है। इस ईद को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। ईद को पूरी दुनिया में पूरे धूम से मनाया जाता है। लोग इस दिन घरों में मीठे पकवान बनाते हैं। खासकर सेंवईंयां जरूर बनती है। लोग एक-दूसरे से गले मिलकर शिकवें दूर करते हैं। इस्लाम धर्म में ये त्योहार भाईचाहे का संदेश देता है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हैं और अपने परिवार के अमन चैन की दुआ करते हैं। इस दिन पढ़ी जाने वाली नमाज को सलात अल फज्र कहा जाता है। वहीं ईद से पहले हर मुसलमान के लिए फितरा देना फर्ज बताया गया है।

गरीब भी मना सकें खुशियां

ईद से पहले हर इंसान को लगभगव पौने दो किलो अनाज या उसकी कीमत गरीबों को दी जाती है। जिससे गरीब व्यक्ति भी ईद की खुशी मना सकें। बताया जाता है कि इसी दिन पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब ने बद्र के युद्ध में फतह हासिल की थी। इसी युद्ध में फतह पाने की खुशी में लोग ईद को मनाते हैं।

दी जाती है बक्शीश

रमजान के महीने में रोजे रखने के बाद अल्लाह के इस दिन पर बक्शीश और ईनाम दिया जाता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं। मुसलमान ईद में खुदा का शुक्रिया अदा करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खुदा ने महीने भर के उपवास रखने की ताकत दी।

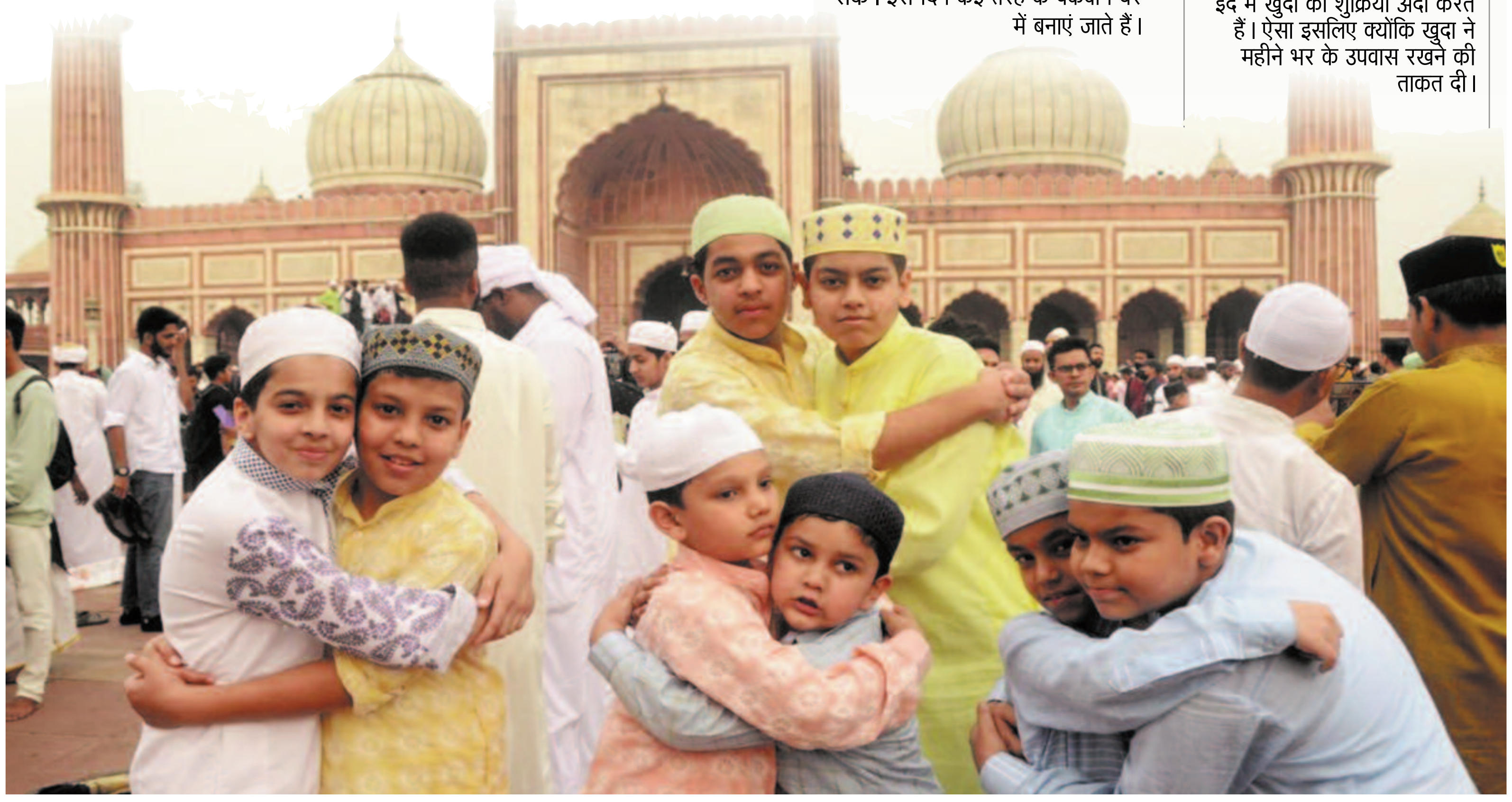

जैसे-जैसे रमज़ान के आखिरी दिन नज़दीक आ रहे हैं, मुस्लिम समुदाय इस्लाम के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक, ईद-उल-फितर के उत्सव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. ईद-उल-फितर, जिसे रोजा खोलने के त्योहार के रूप में भी जाना जाता है, एक खुशी का अवसर है जो रोजे के महीने रमजान के खत्न होने पर मनाया जाता है. ईद-उल-फितर को दक्षिण एशियाई देशों में इस त्योहार को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है. ईद-उल-फितर पर बनाएं ये 5 पारंपरिक व्यंजन -

ईद पर जरूर बनाएं ये स्पेशल व्यंजन

इनके बिना अधूरा है जश्न

शीर खुरमा

शीर खुरमा, जिसका फ़ारसी में अर्थ है दूध और खजूर, एक समृद्ध सेंवई का हलवा है

जिसे खजूर, सूखे मेवे और केसर से सजाया जाता है. यह मलाईदार डिश ईद के दौरान मुस्लिम घरों में जरूर बनाया जाता है.

सेवइया

सेवइयां, एक सर्वोत्कृष्ट ईद की मिठाई है, जिसमें दूध, खोया और सूखे मेवों में पकाई गई घी में भुनी हुई सेवइयां शामिल हैं. यह खाने में बेहद स्वादिष्ट लगती है.

गुलाब शरबत

फ्रेश और सुगंधित, गुलाब शरबत एक लोकप्रिय ईद का ड्रिंक है जो उत्सव की दावत के लिए तैयार किया जाता है. गुलाब की पंखुड़ियों और घर का बना गुलाब सिरप इस ड्रिंक को और स्वादिष्ट बना देता है.

मटन शामी कबाब

कोई भी ईद की दावत रसीले कबाब के बिना पूरी नहीं होती है और मटन शामी कबाब इसमें बिल्कुल फिट बैठता है. कीमा मटन और सुगंधित मसालों के साथ तैयार किया जाता है.

बिरयानी

बिरयानी बनाने के लिए खिले चावलों में मीट और कई मसालों को मिलाकर तैयार किया जाता है. ये खाने में स्वादिष्ट और इस त्योहार का खास डिश में से एक होती है.

सुभाषितम्

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।

- होरेस

विदेश नीति की विफलता से भारत को पड़ोसी देशों से चुनौती

भारत की विदेश नीति हमेशा से पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंधों और वैश्विक मंच पर जरूरत को ध्यान में रखते हुए स्थिति से जुड़ी रही है। हाल के वर्षों में कुछ नीतिगत निर्णयों और पड़ोसी देशों से बिगड़ते संबंधों ने भारत के लिए गंभीर कूटनीतिक चुनौतियां पैदा कर दी हैं। इन चुनौतियों के कारण भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते संबंधों के कारण कूटनीतिक हार का सामना करना पड़ा है। भारत की सबसे बड़ी हार बांग्लादेश के तीस्ता जल समझौता और नेपाल के संबंधों को लेकर है, जहां सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति में भारत पहुंच गया है। भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहे हैं। बावजूद इसके हाल ही में चीन की बढ़ती दखलंदाजी ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों में खटास ला दी है। तीस्ता जल समझौते पर वर्षों से भारत की टाल-मटोल नीति ने बांग्लादेश को निराश किया। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर वहां अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी। बांग्लादेश और चीन का इस मामले में समझौता होने जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत की उपेक्षा के बावजूद बांग्लादेश ने धैर्य बनाए रखा था। नई सरकार के आते ही चीन ने तीस्ता परियोजना को अपने हाथ में ले लिया। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बड़ी हार है। नेपाल, म्यांमार और अन्य पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध हाल के वर्षों में काफी तनावपूर्ण हो गये हैं। उन देशों की आंतरिक राजनीति में भारत पर हस्तक्षेप के आरोप लगे हैं। नेपाल में भारत के प्रति असंतोष बढ़ा है। वहीं, म्यांमार में चीन की सक्रियता और भारत की निष्क्रियता ने पड़ोसी देश के साथ संबंधों और सीमा के मामले में भारत को कमजोर किया है। भूटान, हमेशा से भारत का परंपरागत सहयोगी रहा है। भारत और भूटान के बीच में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भूटान विदेश नीति के मामले में अधिक स्वतंत्रता से आगे बढ़ रहा है। श्रीलंका और मालदीव मे भी चीन की रणनीतिक पकड़ भारत की तुलना में काफी मजबूत हुई है। भारत का प्रभाव उपरोक्त देशों में सीमित होता जा रहा है। जिसके कारण भारत के लिये सीमावर्ती चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों के साथ अनुकूल नहीं रही है। उससे भारत के संबंध अपने पड़ोसी देशों के साथ पहले की तुलना में बहुत खराब हुए हैं। भारत की यह हार भविष्य में भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौतियां पैदा करने जा रही है। यह सिर्फ पडोसी देश तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव भारत की सीमा सुरक्षा एवं व्यापार के क्षेत्र में भी बड़ा असर डालेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इसका असर होगा। समूचे दक्षिण एशिया में चीन की आक्रामक विदेश नीति ने भारत के लिए कई बड़ी चुनौतियां पैदा कर दी हैं। भारत सरकार की निष्क्रियता से पड़ोसियों के बेहतर रिश्तों को खराब कर दिया है। अभी भी समय है, भारत सरकार अपनी नीतियों की समीक्षा करे। अपने मित्र देशों और पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बने, इसके लिए उन्हें पुनः विश्वास में लेने का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से करना चाहिए। अन्यथा विदेश नीति की कूटनीतिक हार भारत के लिए गंभीर सामरिक चुनौतियों के साथ-साथ आर्थिक चुनौतियों को भी बढ़ाने वाली होगी। चीन जिस तरह से भारत को चारों ओर से घेर रहा है। चीन की ओर से भारत को लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। ऐसी स्थिति में भारत को जरूरत से ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। निश्चित रूप से भारत और चीन के बीच में व्यापारिक और सीमा क्षेत्र में हमेशा प्रतिस्पर्धा बनी रहेगी। इसको ध्यान में रखते हुए भारत को अपने आप को सशक्त बनाना होगा। चीन का मुकाबला हम कर सकें, ऐसी नीतियां बनानी होंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत एक प्रमुख भूमिका में जैसे पहले रहता था, आगे भी वही स्थिति भारत की बनी रहे। इसको ध्यान में रखते हुए विदेश नीति मे बड़े बदलाव ओर सुधार की जरूरत है। विदेश नीति अधिकारियों के माइंडसेट से तय नही हो सकती है। इसके लिए राजनीतिक समझ और इच्छा शक्ति की जरूरत होती है। इसका ध्यान रखना वर्तमान स्थिति में सरकार के लिए बहुत जरूरी हो गया है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके।

ईद पर सौगात तो दीपावली पर उपहार क्यों नहीं?

- तनवीर जाफरी

भाजपा द्वारा गत दिनों सौगात-ए-मोदी नामक एक अभियान की शुरूआत की गयी। इस अभियान के अंतर्गत देश के 32 लाख मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दिये जाने का समाचार है। खबरों के मुताबिक भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकताओं के माध्यम से देश की अनेक चयनित मस्जिदों में कम से कम 100 लोगों को सौगात-ए-मोदी रुपी विशेष किट देकर उन्हें सहायता पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मोदी की इस सौगात में महिलाओं के लिए सूट, पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, दाल, चावल, सेंवई , सरसों का तेल, चीनी, कपड़े, मेवा, खजूर आदि शामिल हैं। देश भर में मुसलमानों के साथ केंद्र से लेकर अनेक भाजपा शासित राज्यों द्वारा जिसतरह का सौतेला व्यवहार किया जा रहा है इन हालात के मद्देनजर ईद पर सौगात-ए-मोदी पर चर्चा होना लाजिमी है। सौगात-ए-मोदी से जुड़े ऐसे कई सवाल हैं जिसका जवाब देश की जनता सुनना चाहती है।

पहला सवाल तो यही कि अपनी स्थापना के समय से ही कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा की नजरों में क्या यह तुष्टिकरण नहीं है ? क्या कांग्रेस या अन्य दल अल्पसंख्यकों के फायदे के लिये कोई योजनाएं लाएं तो केवल वही तुष्टिकरण है और भाजपा जो करे उसे सन्तुष्टीकरण का नाम दे दे ? दूसरी बात यह कि मोदी का मुस्लिम प्रेम न तो गुजरात में लंबे समय तक उनके मुख्यमंत्री रहते उमड़ा न ही पिछले दस वर्षों में उनकी प्रधानमंत्री काल में यह नजर आया। फिर अब आखिर इस सौगात की याद क्यों आई और इसकी जरुरत क्यों महसूस हुई ? कहीं यह इसी वर्ष अक्टूबर या नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम मतों को लुभाने का एक शगूफा तो नहीं ? एक सवाल यह भी कि दूसरे दलों पर वोटों की खातिर मुफ़्त की रेवड़ियां बांटने का आरोप मढ़ने वाली भाजपा ईद पर बंटने वाली सौगात-ए-मोदी को क्या मुफ़्त की रेवड़ी नहीं कहेगी ? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि प्रधानमंत्री ईद पर मुसलमानों को सौगात दे रहे हैं तो क्या देश की बहुसंख्य हिन्दू आबादी दीपावली पर उपहार की हकदार नहीं ? प्रधानमंत्री को फरवरी 2017 में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर की एक जनसभा में राज्य की तत्कालीन समाजवादी सरकार के लिये दिये गये उस बहुचर्चित व विवादित प्रवचन को नहीं भूलना चाहिये

जिसमें उन्होंने कहा था कि- धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। यूपी में भेदभाव सबसे बड़ा संकट है। ये भेदभाव नहीं चल सकता। हर किसी को उसके हक का मिलना चाहिए ये सबका साथ सबका विकास होता है। उन्होंने कहा, अगर होली पर बिजली मिलती है तो ईद पर भी बिजली मिलनी चाहिए।अगर रमजान में बिजली मिलती है तो दिवाली पर भी बिजली मिलनी चाहिए। गांव में कब्रिस्तान बनता है तो श्मशान भी बनना चाहिए। भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। तो क्या उपरोक्त प्रवचन केवल विपक्ष के लिये ही है ? आज यह सवाल जरूरी क्यों नहीं कि मुसलमानों को ईद पर सौगात तो हिन्दुओं को दीपावली पर क्यों नहीं ? गुरुपर्व पर सिक्खों को तोहफा क्यों नहीं ? ईस्टर या गुड फ्राइडे पर ईसाइयों को क्यों नहीं ? यह भेदभाव क्यों और इसका कारण क्या है ?

दरअसल भाजपा ने कोरोना काल के बाद मुफ़्त राशन बांटकर आम जनता के वोट लेने का जो तरीका अपनाया है और उसे मतदाताओं की नयी श्रेणी अर्थात लाभार्थी श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है यह सौगात -ए -मोदी भी उसी तरह का एक खेल है जो बिहार चुनाव से पहले खेला जा रहा है। इस खेल के बहाने भाजपा लालू यादव व नितीश कुमार दोनों ही नेताओं के साथ खड़े मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने का एक प्रयास कर रही है। उसे लगता है कि जिसतरह मुफ़्त राशन बांटकर उसने भूखे व बेरोजगार लोगों को अपने पक्ष में कर लिया है शायद सौगात -ए -मोदी किट भी बिहार में भाजपा के लिये उसी तरह फायदेमंद साबित हो। परन्तु शायद ऐसा होने वाला इसलिए नहीं क्योंकि इस समय मुसलमानों की सबसे बड़ी चिंता उनकी सुरक्षा है,उनकी शिक्षा व रोजगार है। उनकी इबादतगाहों की सुरक्षा है। उनके धार्मिक रीति रिवाजों को अमल में लाने की स्वतंत्रता है। उनके साथ निष्पक्षता से पेश आना तथा न्याय करना है।

परन्तु इसी मोदी राज में देश के अनेक भाजपा शासित राज्यों में नमाज पढ़ने पर पाबंदी लगाई जा रही है। सड़कों,पार्कों यहाँ तक कि अपने घर की छतों पर भी नमाज पढ़ने पर रोक लगने की खबर है। हरियाणा में तो ईद का अवकाश ही 31 मार्च को बहाना बनाकर गजेटेड हॉलीडे की लिस्ट से हटा कर रिस्ट्रिक्टेड हॉलिडे कर दिया गया है। ऐसे में विपक्ष सवाल कर रहा है कि ईद मुसलमानों का एक ही सबसे बड़ा त्योहार होता है, जो पूरे देश में मनाया जाता है। ऐसे में आखिर ईद की गजेटेड छुट्टी को वैकल्पिक छुट्टी के रूप में क्यों बदल दिया गया ? आज जगह जगह मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार की खबरें आ रही हैं। यहाँ तक कि महाकुंभ जैसे आयोजन में कुछ लोगों ने मुसलमानों के मेला प्रवेश तक का विरोध किया। खुले आम भाजपाई समर्थक नफरत फैला रहे हैं। अनेक स्थानों से पुलिस,प्रशासनिक पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की खबरें आ रही हैं। मुसलमानों के धर्म स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। जगह जगह बेगुनाह लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाये जा रहे हैं। दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर यह मोदी ने ही तो कहा था कि जो आग लगा रहे हैं, टीवी पर जो उनके दृश्य आ रहे हैं, ये आग लगाने वाले कौन हैं, उनके कपड़ों से ही पता चल जाता है। और आज उन्हीं को सौगात पेश की जा रही है ? यदि भाजपा या मोदी वास्तव में मुसलमानों को सौगात देना चाहते हैं तो उन्हें व उनकी पार्टी व सरकार को भारतीय मुसलमानों से नफरत करने वाले लोगों की बयानबाजियों पर लगाम लगनी चाहिये। जब संसद में उनके सांसद खुले आम मुसलमानों को गालियां देने लगें तो समझा जा सकता है कि इस विरोध की जड़ें कितनी गहरी हैं। पक्षपात हर स्तर पर बंद होना चाहिये। इसी लिये यदि ईद पर सौगात दे रहे हैं तो दीपावली-होली,गुरुपर्व पर भी उपहार दिया जाना चाहिये।

अल्लाह की इबादत में खुशी का मुकद्दस पर्व है ईद

- डा. श्रीगोपाल नारसन

मुकद्दस रमजान सब्र ,प्रेम और भाईचारे के साथ साथ अल्लाह की खिदमत का एक खास महिना है। इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका है ।नमाज के बाद अल्लाह ने जो दूसरी इबादत मुसलमानों के लिए अनिवार्य की है वह है रोजा। रोजे से मुराद ये है कि रमजान के महीने में 30 दिन तक सुबह से शाम तक खाना-पीना नहीं होगा। नमाज की तरह ही इबादत रोजा भी अल्लाह के भेजे सभी पैगंबरों के मानने वालों पर फर्ज हैं और आज भी अधिकतर धर्मों में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

वास्तव में इस्लाम का रोजे से तात्पर्य यह है कि बंदा अपना जीवन रब की इच्छा और उसके आदेशों को मानते हुए गुजार दे। साल भर में रमजान महीने के रोजे इसी मकसद का प्रशिक्षण हैं ।इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने को रमजान का महीना कहा जाता है। इस महीने में तीस दिनों तक रोजा रखना प्रत्येक मुस्लिम के लिए अनिवार्य बताया गया है। मुसलमानों के लिए यह पाक रोजा का महीना होता है। रोजा के लिए जो अरबी शब्द बोला जाता है, उसे ह्यसॉमह्न कहते है,इसका शाब्दिक अर्थ है ह्यसंयम करना।ह्य सॉम शब्द इस महीने की सच्ची भावना को दर्शाता है। जिसमें सूर्योदय से सूर्यास्त होने तक रोजा रखना होता है।

रोजे का मतलब होता है व्यक्ति के मन को अध्यात्म से जोड़ना। जिससे उसके अंदर कृतज्ञता और स्नेह का ऐसा भाव उत्पन्न हो। जिससे व्यक्ति पूरे वर्ष संयम और नियम से चल पाए। सूर्यास्त के एक दम बाद रोजा खोला जाता है। रोजेदार मुस्लिम खजूर और पानी के साथ इफ़्तार करते हैं। क्योंकि हजरत मुहम्मद साहब

अपना रोजा खजूर और पानी से खोलते थे।

रमजान में मुस्लिम समाज एक अतिरिक्त नमाज पढ़ते हैं जिन्हें तरावीह कहा जाता है। तरावीह की नमाज रात की नमाज के बाद मस्जिद में सामूहिक रूप से पढ़ी जाती है। इस नमाज में पूरा कुरआन रमजान के महीने के अंदर पढ़ा जाता है। रमजान में कुरआन पढ़ने पर अत्यधिक जोर दिया गया है। ताकि प्रत्येक रोजेदार इस पर चिंतन कर सके। आज कल के हालात के चलते विश्वभर के मुस्लिम चिंतित हैं कि वे तरावीह की नमाज कैसे अदा करेंगे। लेकिन यह कोई चिंता का विषय नहीं। हदीस की किताब अल-बुखारी में आता है की इस्लाम के पैगंबर तरावीह की नमाज अकेले घर पर पढ़ते थे, मस्जिद में नहीं।एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है।लेकिन इस बार कोरोना के चलते बिना गले मिले ही दिल से एक दूसरे को दुआएं देंगे तो अच्छा रहेगा। रमजान के बाद आने वाली ईद उल फितर की शुरूआत जगं ए बदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जोखुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है।

रमजान के महिने में हर दिन पाक साफ रहने की हिदायत है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म से जुड़े सलीम खान बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है।

राजस्थान का प्रमुख लोकोत्सव है गणगौर

-रमेश सर्राफ धमोरा

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीघार्यु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन करियर के लिए बहुत अच्छा है। भाग्य का साथ मिलेगा और तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

तुला आज परिश्रम से सफलता मिलेगी और समाज और परिवार से सहयोग मिलेगा।

वृषभ आज दिन करियर में सफलता लेकर आएगा। तरक्की मिलने की संभावना है।

वृश्चिक आज दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे चिंता हो सकती है।

मिथुन मेहनत से सफलता मिलेगी। काम पूरे होंगे और नए काम में निवेश करने से लाभ होगा।

धनु दिन उत्साहवर्धक रहेगा। आपको नौकरी में प्रमोशन और धन वृद्धि होने की खुशी होगी।

कर्क आज दिन करियर में फायदेमंद है। हर काम में सफलता मिलेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकर कल से साढेसाती से मुक्त होने वाले हैं। आपको पूर्व में किए गए परिश्रम का पूरा लाभ मिलेगा।

सिंह आज दिन लाभदायक है। किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। शान-शौकत पर खर्च करेंगे।

कुंभ पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से बाहर आकर आप सभी रुके हुए कामों को पूरा करने की ताकत पाएंगे।

कन्या तरक्की का दिन है। प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। शाम के समय कुछ अनचाहा खर्च आ सकता है।

मीन माहौल अच्छा नहीं रहेगा। समस्याओं को सुलझाने का तार्किक तरीका कारगर साबित होगा।

विशेष

आंदोलन से क्या हासिल हुआ किसानों को?

पंजाब की सरकार ने किसानों के आंदोलन को समाप्त करने के लिए सीधी कार्रवाई की। उनका डेरा-डंगल उठाकर फेंक दिया। 13 महीने से चल रहा शंभू और खनोरी बॉर्डर का आंदोलन एक झटके में समाप्त हो गया। इसके पहले भी तीन कानूनो को खत्म कराने के लिए किसानों ने लगभग 1 वर्ष का आंदोलन किया था। 700 से अधिक किसानों की मौत हुई थी। इसी बीच चुनाव आ गए। सरकार ने तीन कानूनों को लागू नहीं करने का भरोसा दिलाया। किसानो की मांग जल्द पूर्ण करने का आश्वासन दिया। सरकार का कोई भी आश्वासन आज दिन तक पूरा नहीं हुआ। सरकार किसानों से बातचीत भी नहीं करना चाहती है। लंबे समय तक चले किसान आंदोलन का यह हश्र होगा। यह किसानों ने नहीं सोचा था। किसान ठगे हुए महसूस कर रहे हैं।

भारत कोई धर्मशाला नहीं, इमीग्रेशन बिल पास

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विदेशी घुसपैठ को रोकने के लिए कह दिया। भारत कोई धर्मशाला नहीं है। भारत में आने वाले अब हर विदेशी की जानकारी रखी जाएगी। पश्चिम बंगाल की सरकार को भी उन्होंने बंगालियों के नाम पर घेर लिया। अगले साल बंगाल विधानसभा के चुनाव होना है। तैयारी अभी से शुरू हो गई है। गृह मंत्री के इरादों को लेकर विपक्ष ने निशाना साधा,विपक्ष ने विरोध किया। बहुमत के आधार पर बिल पास हो गया। अमेरिका ने जिस तरह से भारत के अवैध प्रवासियों को हथकड़ी और वेडियों में जकड़ कर भारत भेजा था। उसके बाद भारत सरकार को अपनी इज्जत बचाए रखने के लिए इतना तो करना ही था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1492 स्पेन में यहूदियों को तीन माह में ईसाई धर्म स्वीकार करने या देश छोड़ने का आदेश दिया गया. 1606 पोलैंड और रोम ने तुर्की के खिलाफ गठबंधन किया. 1809 रूसी लेखक निकोलाई गोगोल का जन्म हुआ . 1854 अमेरिका और जापान के बीच एक समझौते के तहत जापान ने अपने बंदरगाह बाहरी दुनिया के लिए खोल दिये. 1889 एफिल टावर खोला गया. 1893 तुर्की ने बल्गारिया से शांति संधि के लिए महाशक्तियों की सलाह को मान ली. 1936 ब्रिटेन और फ्रास ने पोलैंड को हमला होने पर मदद करने का वचन दिया. 1894 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने उत्तर अफ्रीका में जवाबी कारवाई की. 1964 विधुत ट्राम कार मुम्बई में अंतिम बार चली. 1966 दक्षिण अफ्रीका में प्रधानमंत्री हैड़िक वरबुर्ड की पार्टी को चुनावों में भारी सफलता मिली.

दैनिक पंचांग

31 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्न	लग्नारंभ समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.39 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.19 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.17 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.30 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.47 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.58 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.09 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.24 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.40 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मकर	01.45 बजे से
		कुंभ	03.31 बजे से
		मीन	05.04 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 90 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 09.12 बजे तदनन्तर तृतीया 05.43 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 13.45 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 13.46 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 09.12 बजे, तैतिल 19.26 बजे तदनन्तर गर 05.43 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 10' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872300 **जूलियन दिन** 2460765.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 01 **विशेष** झूलेलाल जयंती, गौरी पूजा, गणगौर, मत्स्य जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

औषधीय पौधा एलोवेरा

मृदा एवं जलवायु

प्राकृतिक रूप से इसके पौधे को अनउपजाऊ भूमि में उगते देखा गया है। इसे किसी भी भूमि में उगाया जा सकता है। परन्तु बलुई दोमट मिट्टी में इसका अधिक उत्पादन होता है।

उन्नतशील प्रजातियाँ

केन्द्रीय औषधीय सगंध पौधा संस्थान के द्वारा सिम–सीतल, एल– 1,2,5 और 49 एवं को खेतों में परीक्षण के उपरान्त इन जातियों से अधिक मात्रा में जैल की प्राप्ति हुई है। इनका प्रयोग खेती (व्यवसायिक) के लिए किया जा सकता है।

पौध रोपाई

भूमि की एक–दो जुताई के बाद खेत को पाटा लगाकर समतल बना लें। इसके उपरान्त ऊँची उठी हुई क्यारियों में 50×50 सेमी की दूरी पर पौधों को रोपित करें। पौधों की रोपाई के लिए मुख्य पौधों के बगल से निकलने वाले छोट छोटे पौधे जिसमें चार–पाँच पत्तियाँ हों, का प्रयोग करें। लाइन से लाइन की दूरी 50 एवं पौधे से पौधे की दूरी 50 रखने पर 45,000–50,000 पौधों की आवश्यकता रोपाई के लिए होगी। सिचिंत दशाओं में इसकी रोपाई फरवरी माह में करें।

खाद एवं उर्वरक

10–12 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद पौधे के अच्छे विकास के लिए आवश्यक है। 120 किग्रा. यूरिया, 150 किग्रा. फास्फोरस एवं 33 किग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। नाइट्रोजन को तीन बार में एवं फास्फोरस व पोटाश को भूमि की तैयारी के समय ही दें। नाइट्रोजन का पौधों पर छिड़काव करना अच्छा रहता है।

सिंचाई

पौधों की रोपाई के बाद खेत में पानी दें। (घृतकुमारी) की खेती में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई अच्छी रहती है। प्रयोग द्वारा पता चला है कि समय से सिंचाई करने पर पत्तियों में जैल का उत्पादन एवं गुणवत्ता दोनों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार वर्ष भर में 3–4 सिंचाईओं की आवश्यकता होती है।

रोग एवं कीट नियन्त्रण

समय–समय पर खेत से खरपतवारों को निकालते रहें। खरपतवारों का प्रकोप ज्यादा बढ़ने पर खरपतवारनाशी का भी प्रयोग कर सकते हैं। ऊँची उठी हुई क्यारियों की समय समय पर मिट्टी चढ़ाते रहें। जिससे पौधों की जड़ों के आस–पास पानी के रूकने की सम्भावना कम होती है एवं साथ ही पौधों को गिरने से भी बचाया जा सकता है। पौधों पर रोगों का प्रकोप कम ही होता है। कभी–कभी पत्तियों एवं तनों के सड़ने एवं धब्बों वाली बीमारियों के प्रकोप को देखा गया है। जो कि फफूंदी जनित बीमारी है। इसकी नियंत्रण के लिए मैंकोजेब, रिडोमिल, डाइथेन एम–45 का प्रयोग 2.0–2.5 ग्राम/ली. पानी में डालकर छिड़काव करने से किया जा सकता है।

फसल की कटाई एवं उपज

रोपाई के 10–15 महिनों में पत्तियाँ पूर्ण विकसित एवं कटाई के योग्य हो जाती हैं। पौधे की ऊपरी एवं नई पत्तियों की कटाई नहीं करें। निचली एवं पुरानी 3–4 पत्तियों को पहले काटना/तोडें। इसके बाद लगभग 45 दिन बाद पुनः 3–4 निचली पुरानी पत्तियों की कटाई/तुड़ाई करें। इस प्रकार यह प्रक्रिया तीन–चार वर्ष तक दोहराई जा सकती है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल से लगभग प्रतिवर्ष 50–60 टन ताजी पत्तियों की प्राप्ति होती है। दूसरे एवं तीसरे वर्ष 15–20 प्रतिशत तक वृद्धि होती है।

कटाई उपरान्त प्रबंन्धन एवं प्रसंस्करण

विकसित पौधों से निकाली गई, पत्तियों को सफाई करने के बाद स्वच्छ पानी से अच्छी तरह से धो लिया जाता है, जिससे मिट्टी निकल जाती है। इन पत्तियों के निचले सिरे पर अनुप्रस्थ काट लगा कर कुछ समय के लिए छोड़ देते हैं, जिससे पीले रंग का गाढ़ा रस निकलता है। इस गाढ़े रस को किसी पात्र में संग्रह करके वाष्पीकरण की विधि से उबाल कर, घन रस क्रिया द्वारा सुखा लेते है। इस सूखे हुए द्रव्य को मुसब्बर अथवा सकोत्रा, जंजीवर, केप, बारवेडोज एलोज एवं अदनी आदि अन्य नामों से से विश्व बाजार में जाना जाता है। (घृतकुमारी) की जातिभेद एवं रस क्रिया में वाष्पीकरण की प्रक्रिया के अन्तर से मुसब्बर के रंग, रूप, तथा गुणों में भिन्नता पाई जाती है।

जायद मौसम में उड़द की खेती

भूमि का चुनाव

हल्की रेतीली दोमट या मध्यम प्रकार की भूमि जिसका पीएच 7–8 के मध्य हो व पानी की निकास की समुचित व्यवस्था हो वह उड़द के लिये उपयुक्त है।

बीज की मात्रा उपचार एवं बुआई

15–20 किग्रा बीज प्रति हे. के मान से उपयोग करें। बीज को बाविस्टीन की 2 मात्रा द्वारा उपचारित कर बोये। कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी रखें साथ ही ध्यान रहे कि बीज डेढ़ से दो

इंच गहराई पर बोयें।

खाद एवं उर्वरक

मृदा परीक्षण के उपरांत खाद एवं उर्वरक की सुझाई गई मात्रा का उपयोग करें। यूरिया, सिंगलसुपर फास्फेट तथा म्यूरेट ऑफ पोटाश की 43:375:33 किग्रा प्रति हेक्टेयर के मान से उपयोग करें। इस हेतु 40 किग्रा डीएपी के साथ 10 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति एकड़ उपयोग भी किया जा सकता है।।

सिंचाई

ग्रीष्मकालीन फसल होने के कारण की उड़द फसल को 5–6 सिंचाईयों की आवश्यकता पड़ती हैं। फूल–फल बनने की अवस्था पर यदि खेत में नमी न हो तो एक सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण

फसल एवं खरपतवावर की प्रतिस्पर्धा की अंतिम अवधि बुवाई के 15–30 दिनों तक रहती है इस बीच निंदाई करने या डोरा चलाने से खरपतवार नष्ट हो जाते हैं साथ ही वायु का संचार होता है जिससे पौधों की ग्रंथियों में क्रियाशील जीवाणुओं द्वारा वायुमण्डलीय नत्रजन एकत्रित करने में सहायता मिलती है। रसायनिक नियंत्रण हेतु खेत तैयार करते

समय, बोने से पहले पेंडीमिथालीन 3 ली. या एलाक्लोर (लासो) 2 ली. को 500 ली. पानी में मिलाकर बोने के बाद व अंकुरण से पूर्ण भूमि में फ्लेटफेन नोजल युक्त पम्प से मिलायें।

उन्नतशील जातियां

जवाहर उड़द–2, पीयू–30, पीयू–19, एलबीजी–20 का स्वस्थ, सुडौल, रोगरोधी बीज उपयोग करें।

रोग - कीट नियंत्रण

मूंग व उड़द की फसल में पानी पीला मोजेक, भभूतिया रोग व फली छेदक कीट का प्रकोप मुख्यत: होता है। पीला मोजेक एक विषाणु जनित रोग है, जो सफेद मक्खी नामक कीट द्वारा फैलता है। रोग कारक पौधे की पत्तियों में हरे पर्णिम के बीच–बीच में पीले दाग बनते हैं। जो आपस में मिलकर पूरी पत्ती को सुखा देते हैं। रोकथाम हेतु मिथाइल डिमेटान अथवा डाइमिथियेट की 300 मिली मात्रा का प्रति एकड़ छिड़काव करें। फली छेदक कीट, फलियों के दानों को नुकसान पहुंचाता है, इनके नियंत्रण हेतु क्विनाफॉस 400 मिली का प्रति एकड़ छिड़काव करें। भभूतिया रोग में पत्तियों पर सफेद चूर्ण की सतह दिखाई देती है, यह चूर्ण रोगकारक फफूंद के बीजाणु व कवकजाल होता है। पर्णदाग रोग में गहरे भूरे धब्बे पत्तियों पर बनते हैं जो बाद में लाल रंग के हो जाते हैं। दोनों रोगों के नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम की 250 ग्राम मात्रा 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ के मान से छिड़काव करें।

कटाई एवं गहाई

जब 70–80 प्रतिशत फलियां पक जाने तक कटाई आरंभ करें। फसल को खलिहान में 3–4 दिन तक सुखाकर गहाई करें। इस प्रकार उन्नत तरीके से खेती करने पर 8–10 क्विं. उपज प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

कंगाल पाकिस्तान को विश्व बैंक का सहारा, वायु प्रदूषण कम करने के लिए 300 मिलियन डॉलर का कर्ज मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंगाल पाकिस्तान दिन-प्रतिदन कर्ज को बोझ तले दबता ही जा रहा है। जहां एक बार फिर विश्व बैंक ने पाकिस्तान पर रहम दिखाते हुए पाकिस्तान के कर्ज के आवेदन को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो रविवार को विश्व बैंक ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 300 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। बता दें कि यह ऋण पंजाब स्वच्छ वायु कार्यक्रम (पीसीएपी) के तहत अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए) द्वारा प्रदान किया गया है और इसे शुक्रवार को विश्व बैंक समूह के निदेशक मंडल ने मंजूर किया।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में वायु प्रदूषण लोगों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। शहबाज सरकार भी इसका निपटारा करने में अबतक असफल रही। ऐसे में पंजाब स्वच्छ वायु कार्यक्रम (पीसीएपी) शुरू करना पंजाब के लोगों के लिए थोड़ी राहत की बात होगी, क्योंकि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंजाब में वायु गुणवत्ता प्रबंधन को मजबूत करना। साथ ही इलाके में बढ़ते प्रदूषण को कम करना है। यह पंजाब सरकार की स्मॉग मिटिगेशन एक्शन प्लान (एसएमएपी) को सपोर्ट करेगा और पूरे प्रांत में वायु गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुधारने के लिए कई पहलें शुरू करेगा, जिससे परिवहन, कृषि, उद्योग, ऊर्जा और नगरपालिका सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सुधार किए जाएंगे।

विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर ने दी जानकारी- पाकिस्तान के लिए विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) के कंट्री डायरेक्टर नाजी बेनहासिन ने कहा है कि पंजाब स्वच्छ वायु कार्यक्रम (पीसीएपी) प्रांत की स्मॉग शमन योजना का समर्थन करता है और यह वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से लाखों लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार होगा, क्योंकि यह श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों को कम करेगा और एक स्वस्थ वातावरण बनाएगा।

पंजाब में ये कार्यक्रम क्यों, समझिए

पंजाब स्वच्छ वायु कार्यक्रम का उद्देश्य श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों को कम करना और एक स्वस्थ, बेहतर वातावरण बनाना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य अगले 10 सालों में पीएम 2.5 के स्तर को 35 प्रतिशत तक कम करना है, जिससे लाहौर डिवीजन के 13 मिलियन लोगों को श्वसन समस्याओं और प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए कई कदम उठाए जाएंगे, जैसे कि फसल अवशेषों को जलाने की समस्या को कम करने के लिए 5,000 सुपर सीडर का इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं 600 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू होगा ताकि सार्वजनिक परिवहन में प्रदूषण कम हो और पूरे पंजाब में वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों का विस्तार होगा। साथ ही दो नई ईंधन परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएगी, ताकि ईंधन की गुणवत्ता बेहतर हो सके।

आधार निर्माता नीलेकणी ने की नई क्रांति की भविष्यवाणी

कहा- यूपीआई की तरह खरीदी और बेची जा सकेगी बिजली

नई दिल्ली, एजेंसी। आधार कार्ड के निर्माता और इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी ने एक नई क्रांति की भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि यूपीआई की तरह ही देश में ऊर्जा क्षेत्र में नई क्रांति आने वाली है। आने वाले वक्त में देश में यूपीआई की तरह से बिजली को खरीदा और बेचा जा सकेगा।

एक कार्यक्रम में उद्यमियों को संबोधित करते हुए नीलेकणी ने कहा कि हम छोटी मात्रा में ऊर्जा खरीदने और उसे संग्रहित करने की आदी हो गए हैं। जब हम एलपीजी सिलिंडर खरीदते हैं तो हम पैकेटबंद ऊर्जा खरीदते हैं। लेकिन बिजली को लेकर हमारी सोच होती है कि यह हमेशा ग्रिड से आती है। अगर बिजली नहीं मिलती है तो हम जनरेटर खरीदते हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में हर घर से बिजली बनेगी। क्योंकि हर घर पर सौर ऊर्जा होगी। हर घर ऊर्जा का भंडार होगा। क्योंकि इसमें ईवी बैटरी होगी। इसलिए हर घर ऊर्जा का उत्पादक, विक्रेता और क्रेता होगा। एक वक्त ऐसा होगा जब यूपीआई की तरह बिजली को खरीदा और बेचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ऊर्जा का उत्पादन और खपत बांटे जाने से लाखों छोटे ऊर्जा उद्यमी पैदा हो सकते हैं। यह नई आर्थिक उन्नति और विकास को बढ़ावा देगा।

यूपीआई क्या है- 11 अप्रैल 2016 को यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवा लॉन्च हुई। नोटबंदी का इसे सबसे ज्यादा फायदा हुआ। देश में डिजिटल इकोनॉमी में तेजी से इजाफा शुरू हुआ। अब देश में यूपीआई लाखों उपयोगकर्ताओं के भुगतान का पसंदीदा तरीका बन चुका है। जनवरी में कुल यूपीआई लेनदेन 16.99 अरब से अधिक हो गया। मौजूदा समय में यूपीआई सात देशों में उपलब्ध है। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस शामिल हैं।

यस बैंक पर आयकर विभाग की कार्रवाई; जारी किया 2209 करोड़ टैक्स की मांग का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने यस बैंक को आकलन वर्ष 2019-20 के लिए 2,209 करोड़ रुपये टैक्स की मांग का नोटिस जारी किया है। इसमें 243.02 करोड़ रुपये का ब्याज भी शामिल है। यस बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। बैंक ने आगे फाइलिंग में कहा है कि आयकर विभाग के राष्ट्रीय फेसलेस मूल्यांकन यूनिट की ओर से 28 मार्च को पुनर्मूल्यांकन आदेश पारित किया गया है, जिसमें कोई अतिरिक्त अस्वीकृति नहीं किया गया है, अर्थात जिन आधारों पर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू की गई थी, उन्हें हटा दिया गया है।

बैंक ने कहा कि इस प्रकार, अधिनियम की धारा 144 के तहत पारित मूल मूल्यांकन आदेश में निर्धारित कुल आय पुनर्मूल्यांकन आदेश में अपरिवर्तित रही है, और परिणामस्वरूप, बैंक के खिलाफ कोई मांग नहीं उठाई जानी चाहिए थी। हालांकि, इसके बावजूद अधिनियम की धारा 156 के तहत जारी की गई गणना शीट और मांग के नोटिस ने सम तिथि तक 2209.17 करोड़ रुपये की आयकर मांग (ब्याज सहित) उठाई है, जो बिना किसी आधार के प्रतीत होती है।उक्त निर्धारण वर्ष को आयकर विभाग ने अप्रैल 2023 में पुनः खोला था।

जेफ बेजोस की शादी: 500 मिलियन डॉलर की सुपरयॉट में कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। इसी साल के 26 जून को अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर लॉरेन सांचेज शादी करने जा रहे है। ये भव्य शादी वेनिश शहर के 500 मिलियन डॉलर की कीमत वाले एक बेहद शानदार सुपरयॉट पर शादी करने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक सबसे बड़ा सवाल ये बना हुआ है कि वेनिस के सख्त नियमों के बीच बेजोस अपनी शादी की तैयारी कैसे करेंगे?

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर लॉरेन सांचेज इसी साल 26 जून को इटली के वेनिस शहर में 500 मिलियन डॉलर की कीमत वाले एक बेहद शानदार सुपरयॉट पर शादी करने जा रहे हैं। खूबसूरत और ऐतिहासिक शहर वेनिस अपने प्राचिनता और खुबसुरती के चलते शादी के लिए एक अच्छी पसंद है। हालांकि वेनिस शहर के अनुसार बड़े जहाजों को वेनिस के कुछ ऐतिहासिक जगह जैसे कि सेंट मार्क स्क्वायर, ग्रैंड कैनाल, गिउडेका कैनाल, ब्रिज ऑफ साईज़ और रियाल्टो ब्रिज के पास नहीं आने दिया जाता है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो बेजोस की नौका का वजन 3,493 टन है, जो कि वेनिस के द्वारा तय सीमा से कम है, लेकिन फिर भी यह वेनिस की ग्रैंड कैनाल में नहीं जा सकती। अब ऐसे में बड़ा सवाल ये खड़ा हो रहा है कि अब बेजोस अपनी शादी की इस भव्य तैयारी के लिए क्या करेंगे?

शादी के लिए बुक किए गए कई होटल- जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर लॉरेन सांचेज की शादी एक यादगार शादी के तौर पर रहने वाली है। जोड़े ने अपनी शादी के लिए कई लग्जरी होटलों को बुक किया है, जिनमें ग्रैंड अमन होटल और बेलमंड होटल सिप्रियानी शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने अपनी शादी के लिए छोटे-छोटे पानी के निजी जहाज भी बुक किए हैं। ये वहीं जहाज है जिसका इस्तेमाल जॉर्ज क्लूनी और अमल अलामुद्दीन ने अपनी शादी में किया था।

26 जून को शादी, ट्रंप भी हो सकते है शामिल

जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर लॉरेन सांचेज़ 26 जून को एक भव्य शादी समारोह में शादी करेंगे। इस शादी में हॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियां और प्रमुख राजनेता भी शामिल होंगे। मीडिया रिपर्टस में दावा किया जा रहा है कि इस शादी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, किम कार्दशियन, लियोनार्डो डिकैप्रियो और बिल गेट्स जैसे बड़े नाम के भी शामिल होने की उम्मीद है।

2019 में बेजोस का हुआ था तलाक

गौरतलब है कि जेफ बेजोस ने 1993 में मैकेंजी स्कॉट से शादी की थी, और दोनों का 25 सालों का शादीशुदा जीवन था। हालांकि, 2019 में उनका तलाक हो गया। बेजोस और मैकेंजी के चार बच्चे हैं। अब, बेजोस ने लॉरेन सांचेज़ से शादी करने का फैसला किया है और वेनिस में होने वाली इस भव्य शादी को लेकर कई तैयारियां की जा रही हैं।

23 पैसे के शेयर ने एक लाख के बना दिए 8 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में अब तेजी आने लगी है। पिछले कुछ महीनों से इसमें जहां गिरावट थी, वहीं अब तेजी से निवेशकों की मुस्कान लौट आई है। दूसरी ओर कई पेनी स्टॉक ऐसे हैं जो निवेशकों को लगातार अच्छा रिटर्न दे रहे हैं। इनमें कई ने बहुत कम समय में निवेशकों की रकम को

दोगुना कर दिया है। ऐसा ही एक शेयर क्रेटो सिस्कॉन लिमिटेड का है। इस शेयर की कीमत दो रुपये से भी कम है।

क्रेटो सिस्कॉन कंपनी के शेयर ने मात्र 6 महीने में ही निवेश को दोगुना कर दिया है। वहीं लॉन्ग टर्म में इसने एक लाख रुपये के निवेश को 8 लाख रुपये में बदल दिया है। पिछले कई दिनों से इसमें तेजी बनी हुई है। शुक्रवार को इस शेयर में 2.79 प्रतिशत की तेजी आई। इस तेजी के साथ इसकी कीमत 1.84 रुपये हो गई है।

एजुकेशन लोन लेकर कर्ज में फंसा व्यक्ति, भावुक पोस्ट लिखकर मांगी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छात्र ने 40 लाख रुपये का एजुकेशन लोन लेकर अमेरिका में पढ़ाई की थी ताकि अपना भविष्य संवार सके, लेकिन भविष्य संवरने की बजाय वह और मुश्किलों में फंस गया है और ये एजुकेशन लोन उसके गले की हड्डी बन गया है। युवक ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा कर अपनी व्यथा सुनाई है और लोगों से मदद की गुहार लगाई है। दरअसल कर्ज लेकर पढ़ाई करने बाद युवक की काफी समय तक नौकरी नहीं लगी और आखिरकार उसे वापस लौटकर भारत आना पड़ा। अब उसे अपने बीमार माता-पिता की देखभाल भी करनी पड़ रही है और साथ ही कर्ज की किस्त भी चुकानी पड़ रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक टेक फिलॉसफर नामक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडइट पर एक भावुक पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में युवक ने बताया कि साल 2022 में उसने अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए 40 लाख रुपये का लोन लिया था। उसके पिता का छोटा सा मैन्युफैक्चरिंग

का व्यापार है। हालांकि माता-पिता ने बेटे का सपना पूरा करने के लिए अपना सबकुछ उसकी पढ़ाई में लगा दिया। उन्हें उम्मीद थी कि पढ़ाई के बाद बेटे की अमेरिका में नौकरी लग जाएगी और आसानी से कर्ज उतर जाएगा। हालांकि ऐसा नहीं हो सका और पढ़ाई के बाद भी युवक की अमेरिका में नौकरी नहीं लगी। करीब एक साल तक उसने नौकरी की तलाश की और इस दौरान अमेरिका में उसका पूरा खर्च भी उसके माता-पिता ने ही उठाया।

यूजर ने लोगों से मांगी मदद

इस दौरान उसके पिता का बिजनेस भी ठप हो गया और वे बीमार हो गए। ऐसे में आखिरकार उसे भारत वापस लौटना पड़ा। यहां आकर उसे एक नौकरी मिली, जिसमें उसकी सैलरी 75 हजार रुपये महीना था, लेकिन 66 हजार रुपये उसकी बैंक किस्त थी। ऐसे में युवक के पास अपने खर्च और बचत के लिए सिर्फ नौ हजार रुपये ही बचते हैं। अब युवक ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लोगों से मदद मांगी है और कहा है कि लोग उसे इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद करें। कुछ यूजर्स ने युवक को सलाह भी दी हैं और उसे फ्रीलांस काम करने और अनुभव लेकर जल्द नौकरी बदलने की सलाह दी है ताकि उसकी सैलरी तेजी से बढ़ सके।

एलन मस्क को एक्स से 94000 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने अपनी सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पहले ट्विटर) को बेच दिया है। एक्स को एलन मस्क की ही दूसरी कंपनी एक्सएआइ ने खरीदा है। एक्स का बिकना यूं ही नहीं हुआ है। जब से एलन मस्क ने एक्स को खरीदा है, उन्हें 94000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। मस्क ने 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था।

एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, इस समझौते में एक्सएआइ का वैल्यूएशन 80 बिलियन डॉलर और एक्स की वैल्यूएशन 33 बिलियन डॉलर है। उन्होंने ये भी बताया कि एक्स पर 12 बिलियन डॉलर का कर्ज भी है। इस कर्ज को मिलाकर एक्स की वैल्यूएशन 45 बिलियन डॉलर हो जाती है। ये डील पूरी तरह से स्टॉक में हुई है। इसका मतलब है कि एक्सएआइ ने एक्स को खरीदने के लिए अपने शेयर दिए हैं। इस डील में मॉर्गन स्टेनली एकमात्र बैंकर था। उन्होंने दोनों पक्षों का प्रतिनिधित्व किया।

क्या घाटे का सौदा किया मस्क ने?- हाल ही में एक्स की वैल्यूएशन में 70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। लेकिन एलन मस्क की एक पोस्ट के अनुसार इसकी कुल वैल्यू करीब 45 बिलियन डॉलर है। एलन मस्क की पोस्ट के मुताबिक इस सौदे में एक्स की वैल्यूएशन 33 बिलियन डॉलर आंकी गई है। इसमें 12 बिलियन डॉलर का कर्ज भी शामिल है।

मस्क ने साल 2022 में ट्विटर (अब एक्स) को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था। इसका मतलब है कि उन्हें करीब 11 बिलियन डॉलर (करीब 94000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है, भले ही 12 बिलियन डॉलर का कर्ज अभी बाकी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि उन्होंने घाटे का सौदा क्यों किया? क्या वह एक कंपनी को बचाने के लिए दूसरी कंपनी का इस्तेमाल कर रहे हैं?

8000 करोड़ रुपये में कंपनी बेचने के बाद इंटर्नशिप ढूंढ रहा शख्स, कहा- मेरे पास कोई इनकम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सोचिए, अगर आपके पास 8 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम हो तो क्या आप कुछ काम करना चाहेंगे? शायद नहीं। हो सकता है कि उस रकम को किसी अच्छी जगह निवेश कर दें और जिंदगीभर आराम से बैठकर खाएं। अब सोचिए कि कुछ ही महीने में वे 8 हजार करोड़ रुपये खर्च हो जाएं या कुछ और करने का मन हो तो? ऐसा ही कुछ हुआ है वीडियो मैसेजिंग प्लेटफॉर्म लूम के को-फाउंडर विनय हिरेमथ के साथ।

विनय ने साल 2023 में अपनी कंपनी को 975 मिलियन डॉलर (करीब 8342 करोड़ रुपये) में बेच दिया था। उन्होंने उस समय सोशल मीडिया पर लोगों से पूछा था कि वह इस रकम को कहां खर्च करें। लेकिन अब स्थिति बिल्कुल उलट गई है। अब उनके पास अभी कोई इनकम नहीं है और वो इंटर्नशिप की तलाश में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस डील से उन्हें व्यक्तिगत रूप से 50 से 70 मिलियन डॉलर मिले। फिर भी उन्होंने उस कंपनी से 60 मिलियन डॉलर का रिटेंशन बोनस ठुकरा दिया, जो चार सालों में मिलता।

पॉडकास्ट में कही दिल की बात- मनीवाइज पॉडकास्ट पर बात करते हुए हिरेमठ ने अपनी पोस्ट-एग्जिट जर्नी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने इतना बड़ा रिटेंशन पैकेज क्यों ठुकरा दिया और वो अब किस तरह अपने जीवन का मकसद ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने 60 मिलियन डॉलर छोड़ दिए। मेरे पास कोई इनकम नहीं है। अभी

मैं इंटर्नशिप ढूंढ रहा हूं। हिरेमठ पारंपरिक कॉर्पोरेट लीडरशिप रोल से असंतुष्ट हैं। अब वो एकेडमिक और टेक्निकल चीजों में दिलचस्पी ले रहे हैं। वो हर दिन पांच से आठ घंटे फिजिक्स पढ़ते हैं और युवाओं के साथ ऑनलाइन डिस्कशन करते हैं।

क्यों ढूंढ रहे इंटरर्नशिप?- पर्सनल ग्रोथ की तलाश में हिरेमठ मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में इंटर्नशिप करना चाहते हैं। वो अब एग्जीक्यूटिव रोल से दूर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वो रोबोटिक्स स्टार्टअप में हैंड्स-ऑन इंजीनियरिंग एक्सपीरियंस के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं। पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, मैं फिजिक्स पढ़ रहा हूं। मैं संभावित रूप से कुछ अलग स्टार्टअप में इंटरव्यू दे रहा हूं, जैसे कि कुछ रोबोटिक्स कंपनियां, ताकि मैं मैकेनिकल इंजीनियर के तौर पर इंटर्नशिप कर सकूं।

सेहत को स्वदेशी उत्पादों से दुरुस्त रखने की मुहिम जारी

देश को विकसित बनाने में योगदान देना लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। योग गुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की ओर से स्थापित पतंजलि आयुर्वेदिक अपने उत्पादों के जरिए स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना चाहता है। कंपनी खाद्य उत्पादों, स्वास्थ्य सेवा, व्यक्तिगत देखभाल, आयुर्वेदिक दवाओं, हर्बल होम केयर और प्रकाशनों सहित कई तरह के उत्पाद बेचती है। पतंजलि प्राकृतिक और जैविक सामग्री का उपयोग करके रसायन रहित उत्पादों का विकल्प मुहैया कराने का दावा करती है।

पतंजलि का कहना है कि उसने अपने उत्पादों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता के कारण भारतीय उपभोक्ताओं के बीच मजबूत पैठ बनाई है। पतंजलि के उत्पादों की व्यापक उपलब्धता और सस्ती कीमतों ने उन्हें हर भारतीय घर का एक अनिवार्य हिस्सा बना दिया है।

रोजगार मुहैया कराने से लेकर सेहत तक- हर पहलू पर हो रहा काम

पतंजलि ने हाल ही में महाराष्ट्र के नागपुर में अपना महत्वाकांक्षी खाद्य और हर्बल पार्क शुरू किया है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। इसमें 700 करोड़ रुपये का प्रारंभिक निवेश तथा 1,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया जाना है। इस सुविधा का उद्घाटन 10 मार्च को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में किया गया। गडकरी ने विदर्भ क्षेत्र के किसानों को लाभ पहुंचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। इस प्लांट के जरिए क्षेत्र के किसानों को रोजगार के साथ-साथ जीवनयापन से जुड़े दूसरे लाभ भी मुहैया कराने की तैयारी है।

क्या है भविष्य का प्लान?

पतंजलि अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया से जुड़ाव और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को आधार बनाकर आगे बढ़ने का प्लान कर रहा है। इसने एक मजबूत वितरण नेटवर्क और साझेदारी भी बनाई है। जिसके जरिए कंपनी एक नए आयाम पर पहुंचने की तैयारी कर रही है। इससे एक व्यापक उपभोक्ता आधार बना है और इसके उत्पादों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

वैश्विक स्तर पर पैठ बनाने की योजना

आयुर्वेद पर कंपनी के फोकस ने प्राकृतिक और पारंपरिक विकल्पों की तलाश करने वाले उपभोक्ताओं को आकर्षित किया है। भारत से परे, पतंजलि ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार करते हुए प्राकृतिक और सुरक्षित आयुर्वेदिक उत्पादों का निर्यात किया है। इसने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा के बारे में वैश्विक जागरूकता भी बढ़ाई है। भविष्य में इस अभियान और और भी जोर-शोर से चलाने की तैयारी है, जिससे भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। पतंजलि ने आधुनिक जीवन शैली के लिए प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल को नई परिभाषा दी है और लोगों को स्वस्थ और प्राकृतिक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया है। भविष्य में भी पतंजलि लोगों को जागरुक करने का यह काम जारी रखने वाली है।

खेलो इंडिया : अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान किया

मन की बात में दिव्यांग खिलाड़ियों को पीएम मोदी का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। साथ ही खेलो इंडिया पैरा गेम्स के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पीएम ने सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी बातें भी कीं। उन्होंने हाल ही में हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, कुछ ही दिन पहले संपन्न हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में एक बार फिर खिलाड़ियों ने अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया। इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ियों ने इन खेलों में हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स कितना चर्चित हो रहा है।

पीएम मोदी ने इन राज्यों को दी बधाई

पीएम मोदी ने कहा, मैं खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इन खेलों के दौरान हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए। जिनमें से 12 तो हमारी महिला खिलाड़ियों के नाम रहे।

पीएम मोदी ने फिटनेस पर भी की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। उन्होंने दिल्ली में हुए एक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा, दिल्ली में एक भव्य आयोजन ने लोगों को बहुत प्रेरणा दी है, जोश से भर दिया है। एक इनोवेटिव आइडिया के रूप में पहली बार फिट इंडिया कार्निवाल का आयोजन किया गया। इसमें अलग अलग क्षेत्रों के करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इन सभी का एक ही लक्ष्य था- फिट रहना और फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाना।

स्वदेशी खेलों को भी मिल रहा बढ़ावा

पीएम मोदी ने कहा, हमारे स्वदेशी खेल अब लोकप्रिय संस्कृति के रूप में घुल मिल रहे हैं। मशहूर रैपर हनुमानकाइंड को तो आप सभी जानते ही होंगे। आजकल उनका नया गाना रन इट अप, काफी चर्चा में है। इसमें कलारिपयट्ट, गतका और थांग-ता जैसी हमारी पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को शामिल किया गया है।

डब्ल्यूटीटी के अंतिम-16 मैच में हार के साथ शरत कमल ने पेशेवर टीटी करियर को कहा अलविदा, हुए भावुक

चेन्नई, एजेंसी। शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं।

दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर शनिवार को डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में हमवतन स्नेहित सुरवज्जुला से हारने के साथ खत्म हो गया। शरत के खिलाफ वाइल्ड कार्ड धारक स्नेहित ने लगातार तीन गेम में 11-9, 11-8, 11-9 से जीत दर्ज की।

शरत कमल ने कहा अब में प्रशासनिक भूमिका चाहूंगा

शरत ने बाद में मिस्र के उमर अस्सार के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच खेला जिसमें दर्शकों को उनके असाधारण कौशल की एक और झलक देखने को मिली। शरत ने अपने विदाई संबोधन में कहा, कहीं ना कहीं मुझे लगा कि यह काफी है और मैं कोर्ट के दूसरी तरफ से खेल को कुछ वापस देने की संभावना तलाशना चाहता था। 42 वर्षीय शरत ने कहा कि वह प्रशासनिक भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर अपना काम कर दिया है, मुझे लगता है कि मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर देश के लिए काफी योगदान दिया है और मैं एक प्रशासक, या एक कोच, एक मेंटर या फिर एक वरिष्ठ खिलाड़ी के तौर पर भी योगदान देना चाहता हूं।

शरत कमल ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस के पुरुष एकल में 16 साल बाद स्वर्ण जीता था। इससे पहले उन्होंने 2006 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सातवां स्वर्ण पदक रहा था। बर्मिंघम में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में पुरुष एकल और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में पुरुष युगल में स्वर्ण और 2018 में पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं।

शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। जसपाल के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में 15 पदक (9 स्वर्ण) और समरेश के नाम 14 पदक (7 स्वर्ण) हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के अलावा शरत एशियन गेम्स में दो पदक जीत चुके हैं। 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में मेन्स टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में शरत कमल ने कांस्य जीता था। इसके अलावा वह एशियन चैंपियनशिप्स में दो कांस्य भी जीत चुके हैं। 2021 दोहा एशियन चैंपियनशिप्स में कांस्य जीता था।

आईपीएल 2025:

हार्दिक पांड्या को लगा झटका, धीमी गति ओवर पर 12 लाख रुपए की चपत लगी

अहमदाबाद, एजेंसी। मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियन्स को शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टाइटंस के खिलाफ 36 रन से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल ने रविवार को एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के नौवें मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित नियम 2.2 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अहमदाबाद की काली मिट्टी वाली पिच पर 196 रन बनाए। मुंबई इंडियन्स को लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करना पड़ा और अंततः टीम छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। गुजरात ने मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुंबई इंडियन्स की लगातार दूसरी हार थी और टीम ने अभी अंकों का खाता नहीं खोला है।

मोहम्मद सिराज ने रोहित शर्मा को बोल्ड किया

सिराज ने कहा वो नई और पुरानी गेंद से भी घातक गेंदबाजी करने में सक्षम हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते शनिवार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का मैच खेला गया. गुजरात ने अपने होम ग्राउंड पर एमआईको 36 रनों से हरा दिया है. मगर गुजरात की इस जीत से ज्यादा रोहित शर्मा का एक पुराना बयान चर्चा में है. दरअसल कप्तान रोहित समेत भारतीय टीम मैनेजमेंट का कहना था कि सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते. इस कारण सिराज को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के स्क्वाड से बाहर रखा गया था. मगर आईपीएल 2025 के मैच में जब सिराज ने रोहित शर्मा को क्लीन बोल्ड किया तो सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है।

रोहित शर्मा क्लीन बोल्ड

मुंबई इंडियंस को 197 रनों का लक्ष्य मिला था. जवाब में मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ओपनिंग करने आए थे. गुजरात के लिए गेंदबाजी की शुरुआत मोहम्मद सिराज ने की थी. रोहित ने उनके ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार 2 चौके लगाए. मगर चौथी गेंद पर हिटमैन चकमा खा गए और क्लीन बोल्ड हो गए. बता दें कि इससे पहले आईपीएल 2025 के अपने शुरुआती मैच में रोहित चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शून्य के स्कोर पट आउट हो गए थे।

छिड़ गई तीखी बहस, हुआ विवाद

चूंकि रोहित शर्मा ने कहा था कि मोहम्मद सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी नहीं हैं. अब उसी गेंदबाज ने रोहित को चारों खाने चित्त करके क्लीन बोल्ड किया है. इस विषय पर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. कुछ लोगों का कहना है कि सिराज ने यह विकेट लेकर अपना बदला पूरा किया है. वहीं एक व्यक्ति ने रोहित पर तंज कसते हुए कहा कि रोहित नई गेंद के खिलाफ ज्यादा प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं।

आपको याद दिला दें कि आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करने से पूर्व एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहम्मद सिराज से रोहित शर्मा के बयान के संदर्भ में सवाल पूछा गया था. सिराज ने अपने बचाव में कहा था कि वो नई और पुरानी गेंद से भी घातक गेंदबाजी करने में सक्षम हैं।

आईपीएल में राशिद खान के साथ पहली बार किसी कप्तान ने कम ओवर देकर चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस ने जीत का खाता खोल लिया है. 29 मार्च को मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 36 रनों से बाजी मारी. ये मैच गुजरात के गेंदबाजों के नाम रहा, जिन्होंने काफी किफायती गेंदबाजी की और टारगेट को डिफेंड किया. हालांकि, इस मुकाबले के दौरान गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. उन्होंने अपने सबसे अहम गेंदबाज राशिद खान का इस मैच में काफी कम इस्तेमाल किया. राशिद खान टी20 के काफी सफल विकेट टेकिंग गेंदबाज हैं. उनके 4 ओवर सामने वाली टीम के लिए किसी आफत से कम नहीं होते हैं. लेकिन इस मुकाबले में एक अलग ही नजारा देखने को मिला. दरअसल, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कुल 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया. जिसमें राशिद खान का नाम भी शामिल था. मगर, उन्हें 20 ओवर के मैच में सिर्फ 2 ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला. इस दौरान राशिद खान ने 5 की इकॉनमी से 10 रन खर्च किए और कोई भी विकेट हासिल नहीं किया.

बता दें, राशिद खान साल 2017 से आईपीएल में खेल रहे हैं. इस दौरान वह कई खिलाड़ियों की कप्तानी में खेल चुके हैं. लेकिन उनके आईपीएल करियर में ये पहला मौका था जब किसी पारी में पूरे 20 ओवर फेंके गए हों और उन्हें 4 ओवर गेंदबाजी करना का मौका नहीं मिला. इससे पहले उन्होंने हर बार अपने कोटे के 4 ओवर फेंके थे. हालांकि, गिल का ये फैसला टीम के काम आया और वह इस मैच को अपने नाम करने में कामयाब रहे.

- **राशिद खान का आईपीएल करियर** – राशिद खान ने साल 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद से साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और 2022 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा बने थे. इस दौरान वह कुल 123 मैच खेल चुके हैं. इस मैचों में उन्होंने 6.86 की इकॉनमी से 150 विकेट लिए हैं. वहीं, बतौर बल्लेबाज उन्होंने 551 रन भी बनाए हैं, जिसमें कुछ मैच विनिंग पारियां भी हैं. इसके अलावा वह अपने करियर में अभी तक 464 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 635 विकेट लिए हैं.

एक परिवार की 3 पीढ़ियां बॉक्सिंग चैंपियन, दादा और पिता के बाद बेटी 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनीं, बोलीं- मां-बाप के हिसाब से चलें

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा के जिला भिवानी में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने बॉक्सिंग को इंटरनेशनल चैंपियन दिए हैं। भिवानी में बॉक्सिंग की शुरुआत करने वाले व बॉक्सिंग के लिए भिवानी को प्रसिद्ध करने वाले कैप्टन हवा सिंह की पोती 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनी हैं। नुपुर ने 21 से 27 मार्च तक नोएडा में हुई चैंपियनशिप में 81 प्लस कैटेगरी में मुकाबला खेला था। बता दें कि कैप्टन हवा सिंह ने 1966 व 1970 में दो बार एशियन खेलों में गोल्ड मेडल जीते थे। साल 1961 से 1972 तक उन्होंने लगातार 11 बार हैवीवेट वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ने के बाद कई बॉक्सर तैयार किए। वहीं कैप्टन हवासिंह को अर्जुन अवॉर्ड व द्रोणाचार्य अवॉर्ड भी मिले हैं। कैप्टन हवासिंह के बेटे संजय श्योराण भी इंटरनेशनल चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने एशियन खेलों में मेडल जीता था। सरकार ने उन्हें भीम अवॉर्ड से सम्मानित भी किया है। फिलहाल वे गुरु द्रोणाचार्य कैप्टन हवा सिंह बॉक्सिंग अकादमी में कोचिंग दे रहे हैं। वहीं संजय श्योराण की पत्नी मुकेश रानी भी बास्केटबॉल की खिलाड़ी रही हैं और एशियाई चैंपियनशिप में पदक विजेता हैं। संजय श्योराण के 2 बच्चे हैं। जिनमें बड़ी बेटी नूपुर श्योराण बॉक्सिंग के साथ-साथ पढ़ाई कर रही हैं। वह अब यूपीएससीकी भी तैयारी कर रही हैं। पहले वह वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में भी खेलीं, लेकिन 5वें नंबर पर रहीं।

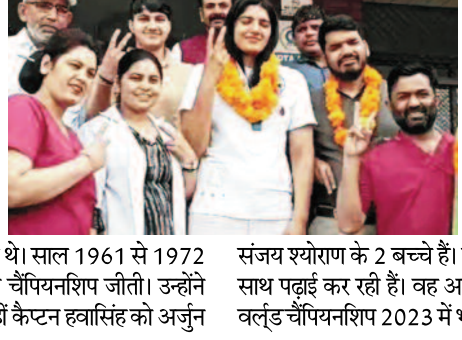

गुलवीर सिंह ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

10 हजार मीटर दौड़ में हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी ।बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के टूर्नामेंट द टेन प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 14.88 सेकेंड का था जिसे उन्होंने पिछले साल नवंबर में जापान के हाचियोजी में बनाया था। बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य

पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने जापान में इसे बेहतर करने से पहले मार्च में कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में 27 मिनट 41.81 सेकेंड का समय लिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर 10 हजार मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। वह शनिवार को अमेरिका में द टेन प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश के रहने वाले गुलवीर ने पिछले साल 13 मिनट 11.82 सेकेंड के साथ 5000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

बॉलीवुड अदाकारा जेनिफर विंगेट ने

फैशन, आइसक्रीम और करियर पर साझा की अपनी राय

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जेनिफर विंगेट शुक्रवार को मुंबई में एक खास कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपनी पसंदीदा आइसक्रीम फ्लेवर से लेकर फैशन और करियर तक के कई मुद्दों पर खुलकर अपने विचार साझा किए। इस साक्षात्कार में जेनिफर ने अपने करियर की शुरुआत, फैशन स्टाइल और सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं के बारे में भी बात की।

सवाल: आपने अभी यहां जो आइसक्रीम फ्लेवर टेस्ट किया, उनके बारे में कुछ बताएं।

जवाब: यह दूसरी बार है जब मैं मैग्नम के लिए आइसक्रीम बना रही हूं, और मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। मुझे लगता है, पिछले साल मैंने आइसक्रीम बनाने का तरीका सीखा था, और उस बार मैंने डार्क चॉकलेट ट्राई की थी। लेकिन इस बार, उन्होंने नया फ्लेवर पेश किया है - पिस्ता फ्लेवर।

मैंने सोचा क्यों न इसे आजमाया जाए। और मैं यह कहना चाहूंगी कि यह बहुत, बहुत, बहुत अच्छा है। मैंने इसमें अपनी कुछ टॉपिंग्स भी डालीं और यह अब तक की सबसे बेहतरीन आइसक्रीम थी।

सवाल: मैग्नम लॉन्च के बारे में, इस वातावरण और माहौल को लेकर आप कैसा महसूस करती हैं?

जवाब: यह अद्भुत है। यही कारण है कि मैं फिर से यहां आई हूं, क्योंकि लोग बहुत अच्छे हैं। और ऐसा लगता है जैसे आप दोस्तों के साथ बैठकर समय बिता रहे हों। तो मैं यहां आकर बहुत खुश हूं।

सवाल: आप एक फैशन इवेंट में हैं, तो रेड कार्पेट इवेंट के लिए आपका पसंदीदा आउटफिट क्या है? क्या आपका कोई पसंदीदा डिजाइनर है?

जवाब:यह इस बात पर निर्भर करता है कि इवेंट किस तरह का है, क्या कोई थीम है, और मेरा मूड क्या है।

सवाल: अपने पुराने करियर को देखकर, आप पहले के मुकाबले अब अपने फैशन स्टाइल को कैसे देखती हैं?

जवाब: पहले मैं ज्यादा स्टाइलिश नहीं थी, लेकिन मुझे लगता है कि पिछले वर्षों के दौरान आपने देखा और सीखा है और आप बढ़ते हैं। और मुझे लगता है कि अब मैं ज्यादा सस्टेनेबल फैशन में रुचि रखती हूं, और मैं इसे जितना संभव हो सके, मिनिमलिस्टिक रखने की कोशिश करती हूं।

सवाल: आपके फैशन में अब तक की सबसे बड़ी गलती क्या है? या आपको आउटफिट रिग्रेट्स हैं?

जवाब: मैंने बहुत सारी गलतियां की हैं। खासकर अपने करियर के शुरुआती दिनों में, मुझे न तो अपने मेकअप का पता था, न ही कपड़े पहनने का। मैं बस ऐसा ही करती गई, लेकिन यही तो सीखा जाता है। मुझे एक खास आउटफिट याद नहीं है, लेकिन हां, कई गलतियां की हैं।

सवाल: क्या ऐसा कोई खास आउटफिट या एक्सेसरी है जो आपको सेट पर या रेड कार्पेट पर स्टार जैसा महसूस कराता है?

जवाब: नहीं, कोई खास एक्सेसरी या आउटफिट नहीं है जो मुझे स्टार जैसा महसूस कराता हो।

सवाल: आप फैशन के लिए किससे प्रेरणा लेती हैं? क्या कोई सेलिब्रिटी या डिजाइनर है जिसे आप पसंद करती हैं?

जवाब: बहुत सारे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि मैं क्या पहनना चाहती हूं, मेरा मूड क्या है। तो खासकर कोई एक नहीं है, लेकिन मैं ज्यादातर अपने मूड के हिसाब से पहनती हूं। और आराम भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सवाल: क्या आप कोई ऐसा फैशन ट्रेंड शेयर कर सकती हैं जो स्टाइलिश और सुपर आरामदायक हो?

जवाब: मुझे लगता है कि ओवरसाइज़ टी-शर्ट्स, ओवरसाइज़ कपड़े। ये आरामदायक होते हैं, और दिखने में भी सुपर स्टाइलिश होते हैं।

सवाल: क्या आप अपनी आउटफिट्स में कोई व्यक्तिगत या सेंटिमेंटल चीजें जोड़ती हैं, जैसे लकी चार्म या परिवार से जुड़ी कोई चीज?

जवाब: मैं अपने आउटफिट्स के बारे में ज्यादा नहीं सोचती, ईमानदारी से कहूं तो। मेरे पास एक बहुत ही सक्षम टीम है जो यह सब करती है।

सवाल: अगर आपको विंटेज स्टाइल और आधुनिक फैशन के बीच चुनाव करना पड़े, तो आप किसे चुनेंगी?

जवाब: विंटेज।

सवाल: सोशल मीडिया के बारे में बात करते हुए, बहुत सारे नेटिज़न्स फैशन पर कमेंट करते हैं। इस बारे में आपका क्या कहना है?

जवाब: हर किसी का अपना विचार है।

सवाल: आपके करैक्टर का आपकी व्यक्तिगत स्टाइल पर कितना प्रभाव पड़ता है?

जवाब: जब मैं अभिनय कर रही हूं तो वह करैक्टर का आउटफिट है। वह जेनिफर का आउटफिट नहीं होता। अगर मैं किसी वकील का रोल निभा रही हूं, तो मुझे उसी हिसाब से ड्रेस करना होगा, लेकिन मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं पहनती। हालांकि, कभी-कभी कुछ समानताएं होती हैं, लेकिन ज्यादातर वे एक-दूसरे से बहुत अलग होते हैं।

सवाल: डेट नाइट पर आपका पहला इंप्रेशन क्या होता है?

जवाब: हम बहुत दिलचस्प बातचीत कर रहे हैं। (मुस्कुराते हुए सवाल टाल गई)

सवाल: आखिरी में, अपने फैंस को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

जवाब: मैं उनसे बहुत प्यार करती हूं। मैं हमेशा उन्हें प्यार करूंगी, और मैं उनके द्वारा दी गई सारी मोहब्बत के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से पूरी तरह कटा दिशा वकानी का पत्ता, जेठालाल को मिली नई दया बेन, शूटिंग शुरू

कुछ समय पहले निर्माता असित मोदी ने पुष्टि की थी कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी, जिसका मतलब था कि निर्माताओं को उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा। अब खबर है कि मेकर्स को नई दया बेन मिल चुकी है।दिशा वकानी कई फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रही हैं, लेकिन उनका सबसे मशहूर किरदार तारक मेहता का उल्टा चश्मा की दया बेन का रहा है। उन्होंने 2017 में शो छोड़ दिया था। इसके बाद कई बार उनकी वापसी की खबरें आईं, लेकिन हर बार वह महज अफवाह साबित हुईं। अब शो में दया बेन की वापसी की खबरें फिर सामने आई हैं, लेकिन दिशा वकानी के रूप में नहीं, बल्कि नए कलाकार की कास्टिंग की खबरें सामने आई हैं। अब कथित तौर पर निर्माताओं ने दिशा का रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है।

एक अभिनेत्री को किया गया फाइनल

इससे पहले शो के निर्माता असित मोदी ने पुष्टि की थी कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी, जिसका मतलब था कि निर्माताओं को उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, शो के निर्माता असित मोदी दया बेन की भूमिका के लिए ऑडिशन ले रहे थे और आखिरकार उन्होंने किसी को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। एक सूत्र ने बताया है कि हां, यह सही है। असित नई दया बेन की तलाश में थे और हाल ही में एक ऑडिशन ने उन्हें काफी प्रभावित किया। अभिनेत्री के साथ मॉक शूट चल रहे हैं। वह हमारे साथ शूटिंग करते हुए यहां करीब एक सप्ताह से हैं।

2017 में शो में आखिरी बार नजर आई थीं दिशा

दिशा की शादी नवंबर 2015 में हुई थी और 2017 में वह गर्भवती हो गईं। वह मातृत्व अवकाश पर चली गईं और फिर कभी शो में वापस नहीं आईं। बीच में चर्चा थी कि वह वापसी कर सकती हैं, लेकिन 2022 में उन्हें अपने दूसरे बच्चे का आशीर्वाद मिला। अभिनेत्री ने कथित तौर पर अभिनय छोड़ने का फैसला किया है।

दिशा के साथ असित का परिवार जैसा रिश्ता

इस साल की शुरुआत में असित मोदी ने कहा था, मेरा मानना है कि दिशा वकानी वापस नहीं आ सकतीं। उनके दो बच्चे हैं। वह मेरी बहन की तरह हैं। आज भी उनके परिवार से हमारा बहुत करीबी रिश्ता है। मेरी बहन दिशा वकानी ने मुझे राखी बांधी है। उनके पिता और भाई भी मेरे लिए एक परिवार हैं। आपने 17 साल तक साथ काम किया और यह आपका विस्तारित परिवार बन गया।

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा ने रिलेशनशिप में खुशी के बारे में की बात

अभिनेता विजय वर्मा ने तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद रिश्ते के हर पहलू को अपनाने के महत्व पर जोर दिया है। हाल ही में मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में, एक्टर ने रिश्तों पर एक ताजा और हल्का-फुल्का नजरिया साझा किया, जिसमें जीवन की चुनौतियों के बावजूद खुशी बनाए रखने के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई।

रिश्तों के नेचर के बारे में पूछे जाने पर, उन्हें अलग-अलग स्वाद वाली - मीठी, नमकीन - आइसक्रीम से तुलना करते हुए विजय ने सलाह दी कि जो भी आपके सामने आए उसे स्वीकार करना और उसका आनंद लेना बेहतर है, हर पल का भरपूर आनंद लेना। विजय वर्मा ने कहा, रिश्तों के बारे में, आप सही कह रहे हैं। मुझे लगता है कि अगर आप आइसक्रीम की तरह रिश्ते का आनंद लेते हैं, तो आप बहुत खुश रहेंगे। इसका

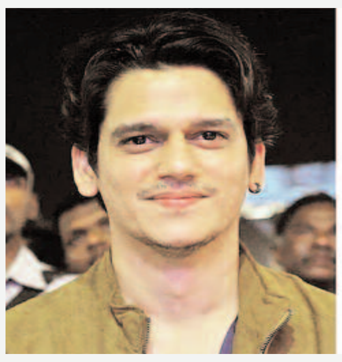

मतलब है कि जो भी स्वाद आए उसे गले लगाओ और उसके साथ चलो। इस महीने की शुरुआत में, खबर आई कि तमन्ना और विजय ने अपने दो साल के रिश्ते को खत्म कर दिया है।

हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आधिकारिक तौर पर ब्रेकअप के बारे में बात नहीं की है, लेकिन अफवाहें फैल रही हैं, जो बताती हैं कि इस जोड़े ने इसे खत्म कर दिया है। एक सूत्र ने बताया, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक जोड़े के रूप में कुछ सप्ताह पहले अलग हो गए, लेकिन वे अच्छे दोस्त बने रहने की योजना बना रहे हैं। दोनों अपने-अपने शेड्यूल में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। विजय और तमन्ना ने डेटिंग की अफवाहों को हवा दी जब उन्हें पहली बार 2023 में नए साल की पार्टी में एक साथ देखा गया था। जैसे-जैसे यह जोड़ा एक साथ सार्वजनिक रूप से सामने आया, अटकलें बढ़ती गईं और आखिरकार उन्होंने लस्ट स्टोरीज 2 के प्रचार के दौरान अपने रिश्ते की पुष्टि की। तब से, उन्हें अक्सर इवेंट्स, मूवी स्क्रीनिंग, डेट नाइट्स और विभिन्न सामाजिक समारोहों में एक साथ देखा जाता है।

साल 2024 में तमन्ना ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया जब उन्होंने विजय को अपना हैप्पी प्लेस बताया। इसके तुरंत बाद, विजय ने भी कई इंटरव्यू में तमन्ना के लिए अपने प्यार का इजहार किया। दोनों ने पहली बार नेटफ्लिक्स एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज 2 में स्क्रीन शेयर की, जहां कथित तौर पर शूटिंग के दौरान वे करीब आ गए।

आलिया की सफलता से सारा को होती थी जलन

आलिया भट्ट इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल अचीवमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस सारा अली खान ने ये खुलासा किया कि उन्हें आलिया भट्ट से जलन होती थी। एक समय उन्हें आलिया के प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जलन होने लगी थी। वो कहती हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस की लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर सोचा ही नहीं। उन्हें सिर्फ उनकी सफलता दिख रही थी। सारा कहती हैं- जब आलिया को नेशनल अवॉर्ड मिला था। उस वक्त मुझे लगा भगवान ये अवॉर्ड जीत गईं। उनके पास एक बच्चा भी है। उनकी जिंदगी तो सेट है। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्हें यह सब पाने के लिए क्या-क्या सहना पड़ा होगा। एक एक्टर के तौर पर मैंने उन्हें अमानवीय बना दिया। सारा अपनी बात में आगे कहती हैं, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। किसी से जलन महसूस करने से पहले उस इंसान की पूरी कहानी जाननी होती है। अक्सर हम बिना किसी की मेहनत जाने उससे जलन लगते हैं। हमें बस दूसरों की सफलता दिखती है। उन्होंने कहा, हम नहीं देख पाते कि इसके पीछे क्या चल रहा है। जलन का मतलब है अंधापन। बता दें कि आलिया भट्ट को साल 2022 में उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। उसी साल अप्रैल में उन्होंने एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। 2022 के नवंबर में दोनों राहा के पेरेंट्स बने। वहीं, सारा अली खान की बात करें तो उन्होंने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा की स्काई फोर्स इसी साल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिला था।

कहा मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था

द भूतनी में दिखाई देंगे सनी सिंह

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। सनी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। फिल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। सनी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे।

यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। सिंह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी।

उन्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया। 2011 में फिल्म प्यार का पंचनामा रिलीज हुई थी। जिसमें कार्तिक, नुसरत, ओमकार कपूर, इशिता राज शर्मा और सोनाली सह-कलाकार थे। मुख्य अभिनेता के रूप में उनकी पहली रिलीज उजड़ा चमन थी, जो गंजेपन की अवधारणा पर आधारित थी। 2023 में उन्होंने रामायण पर आधारित फिल्म आदि पुरुष में लक्ष्मण की भूमिका निभाई।

हनी सिंह ने नोरा फतेही के हिंदी प्रेम की सराहना की

पायल गाना उन्हें किया समर्पित

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह मनोरंजन इंडस्ट्री पर क्यों राज कर रही हैं। बहुमुखी प्रतिभाशाली इस कलाकार को हाल ही में मशहूर सिंगर, म्यूजिक कंपोज़र और रैपर यो यो हनी सिंह ने उन्हें एक खास ट्रिब्यूट दिया और अपना लेटेस्ट हिट 'पायल' उन्हें समर्पित कर दिया, जिसे वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। हाल ही में अपने मिलियनेयर इंडिया टूर कॉन्सर्ट के दौरान, हनी सिंह ने नोरा फतेही की तारीफ करते हुए उन्हें खास सम्मान दिया और उन्हें दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने नोरा के भारत और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम की सराहना करते हुए कहा, ठ्ठइस लड़की को हिंदी में बात करना बहुत पसंद है। वह भारतीय नहीं है, वह मोरक्कन है, लेकिन फिर भी उसे हिंदी बोलना बहुत पसंद है, उन्हें भारत से बहुत प्यार है। यही कारण है कि आप सभी उन्हें इतना सपोर्ट करते हैं। मुझे उनमें एक बेहतरीन दोस्त और शानदार को-आर्टिस्ट मिली है। कृपया ज़ोरदार तालियां बजाइए नोरा फतेही के लिए—यह गाना उनके नाम है, चलिए 'पायल' करते हैं! जैसे ही हनी सिंह ने नोरा का नाम लिया, पूरा स्टेडियम तालियों और उत्साह से गूंज उठा, जिससे यह साबित हो गया कि नोरा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। अपने मनमोहक डांस मूव्स और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर नोरा फतेही ने भारतीय सिनेमा में डांस में क्रांति ला दी है। पायल गाने में उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने तुरंत सनसनी मचा दी, उनके सिग्नेचर हुक स्टेप वायरल हो गए और सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते रहे। प्रशंसकों ने इस पहचान का जश्न मनाया और कहा कि यह उनकी योग्यता है। जैसे-जैसे वह आगे बढ़ रही हैं, नोरा फतेही न केवल अपने डांस से बल्कि अपने अभिनय से भी धूम मचा रही हैं, जिसमें बी हैप्पी उनकी प्रतिभा का एक शानदार उदाहरण है। इसके बाद, वह कंचना 4 में दिखाई देंगी और वर्तमान में रॉयल्स के लिए डबिंग कर रही हैं, जिससे स्क्रीन पर उनकी बहुमुखी प्रतिभा और निखरकर सामने आ रही है।

कांतारा चैप्टर 1 में शामिल होने की खबरों पर मोहनलाल ने तोड़ी चुप्पी

मोहनलाल इन दिनों एल2- एम्पुरान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार लगातार फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। इसके साथ ही पिछले कुछ समय से ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि मोहनलाल कंतारा के चैप्टर 1 में नजर आएंगे। इस पर चुप्पी तोड़ते हुए हाल ही में अभिनेता ने होम्बेल फिल्म्स की आगामी फिल्म कांतारा - चैप्टर 1 में अभिनय करने की अपनी इच्छा साझा की है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान अभिनेता से पूछा गया कि क्या वह कांतारा के सीक्वल का हिस्सा हैं? इस पर मोहनलाल ने स्पष्ट किया कि वह अभी तक फिल्म में शामिल नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपना उत्साह व्यक्त किया, विनम्रतापूर्वक फिल्म निर्माताओं से अनुरोध किया कि वे उन्हें फ्रेंचाइजी में संभावित भूमिका के लिए उनपर विचार कर सकते हैं।

साभार एजेंसी